उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु सूचीबद्ध समाचार पत्र

www.tvindialive.in

टी.आई.एल. एक्सप्रेस

हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष–17
अंक–44
पृष्ठ–12
मूल्य दो रूपया
बांदा, रविवार 13 सितम्बर, 2026

RNI No.: UPHIN2008/32664

ब्रिक्स देशों ने नई दिल्ली घोषणा को सर्वसम्मति से दी मंजूरी, पीएम मोदी ने जारी किए 2 डाक टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली घोषणा को अपनाने का प्रस्ताव रखा गया। इसे सर्वसम्मति से मंजूर कर दिया गया। इसके साथ ही पीएम ने समूह की स्थापना के 20 वर्ष पूरे होने के अवसर पर दो डाक टिकट जारी किए। नई दिल्ली घोषणा का प्रस्ताव रखते हुए पीएम मोदी ने कहा, "किसी भी सदस्य ने कोई आपत्ति नहीं जताई है। नई दिल्ली घोषणा–2026 को सर्वसम्मति से मंजूरी दी जाती है।

समापन संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि हमने इस बात पर भी बल दिया कि फ्यूचर की टेक्नोलॉजी और उसकी जांच में ग्लोबल साउथ की हिस्सेदारी होनी चाहिए। निर्णयों और उनके परिणामों के बीच जो दूरी बनी हुई है, उसमें राजभवन और सामूहिक कार्रवाई से काम करना होगा। आज अपनाया गया नई दिल्ली घोषणापत्र साझा हमारे संकल्प को स्पष्ट दिशा देता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देशों के विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन ब्रिक्स सहयोग के लिए काम करने की प्रतिबद्धता साफ है। बदलते विश्व को पुराने संस्थानों के भरोसे नहीं चलाया जा सकता। वैश्विक संस्थाओं में प्रतिनिधित्व, काम करने के तरीके और नियम बनाने की प्रक्रिया में सुधार जरूरी है। हमने भविष्य की तकनीक और निर्माण में ग्लोबल साउथ की भागीदारी होनी चाहिए। ब्रिक्स देशों को अपने निर्णयों और परिणामों के बीच की दूरी खत्म करने के लिए मिलकर काम करना होगा।

उन्होंने कहा कि आज अपनाई गई नई दिल्ली घोषणा ब्रिक्स के आगे बढ़ने की दिशा साफ करती है। अब इन फैसलों को जमीन पर उतारकर ठोस नतीजे देने की जिम्मेदारी सभी देशों की है। निर्णयों और परिणामों के बीच दूरी को दूर करने के लिए साझेदारी और जिम्मेदारी से काम करना होगा। हमारी जिम्मेदारी है कि इन निर्णयों को परिणामों में बदलें।

सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के 8 लोगों की मौत

रायपुर, एजेंसी। तीज त्योहार के अवसर पर नागपुर जा रहे यात्रियों से भरी बोलेरो दर्दनाक हादसे का शिकार हो गई। नागपुर–रायपुर नेशनल हाईवे पर भंडारा जिले के पिंपलगांव के पास बोलेरो सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। दुर्घटना में 9 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। मृतकों में 8 छत्तीसगढ़ और एक नागपुर निवासी बताए जा रहे हैं। मृतकों में महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल हैं।पुलिस के अनुसार, मृतकों में कवर्धा जिले के विचारपुर निवासी 26 वर्षीय मीनाक्षी पति राजकुमार वर्मा, 30 वर्षीय सरिता पति विजय वर्मा, 2 वर्षीय रेशा राजकुमार वर्मा, 22 वर्षीय गणेशिया पति अश्वंत पटेल और 35 वर्षीय राजकुमारी पति प्रह्लाद पटेल शामिल हैं।

ओडिशा में अवैध हथियार बनाने की इकाई का पर्दाफाश

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा पुलिस ने गंजाम जिले में अवध हथियार बनाने वाली एक इकाई का पर्दाफाश कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया और पांच देशी हथियारों के साथ मशीनरी तथा विशेष उपकरण जब्त किये। जब्त सामान में पांच सिंगल–बैरल मजल–लोडिंग (एसबीएमएल) हथियार और एक रसिंडरश के अलावा ड्रिल मशीन, ब्लोअर, इलेक्ट्रिक पावर मशीन, इलेक्ट्रिक कटर, ट्रिगर मैकेनिज्म, हथौड़े, वाइस प्रेस, हाथ से चलने वाली पावर मशीन और एक मजल बैरल शामिल हैं। गंजाम के पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरीश बी.सी. ने बताया कि आरोपी अवैध हथियार बनाकर आर्थिक लाभ के लिए ग्राहकों को उनकी आपूर्ति कर रहे।

लखपति दीदियों की आजीविका बढ़ाने पर जोर

हरिद्वार, एजेंसी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों की प्रगति को लेकर विकास भवन सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र एवं अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (यूएसआरएलएम) की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिला की ग्रामोत्थान टीम और ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

बैठक में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को मजबूत बनाने, महिलाओं की आजीविका बढ़ाने तथा लंबित कार्यों को निर्धारित समय–सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए

साय ने अंबिकापुर की बदहाल सड़क में तत्काल सुधार के दिए निर्देश

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अंबिकापुर के खरसिया चौक की बदहाल सड़क का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामले का संज्ञान लेते हुए सरगुजा कलेक्टर अजीत वसंत को तत्काल निरीक्षण कर सड़क सुधार कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री साय ने सोमवार को कलेक्टर वसंत से दूरभाष पर चर्चा कर सड़क की मौजूदा स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने खरसिया चौक पर बड़े गड्ढों को भरने, सड़क का समतलीकरण करने और जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

मांगों के लिए शिक्षकों ने शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अंबाला, एजेंसी। हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ (खंड बराड़ा) ने 10 सूत्री मांगों के लिए सरकार के नाम शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

संघ ने आरक्षण व्यवस्था को पूरी तरह लागू करने और पदोन्नति से जुड़ी विसंगतियों को दूर करने की पुरजोर मांग उठाई। साथ ही चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द सकारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो राज्यव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा।

संघ पदाधिकारियों ने चतुर्थ श्रेणी से लेकर प्रथम श्रेणी तक की पदोन्नति में आरक्षण को पूर्ण रूप से लागू करने, बैकलॉग भरने और सभी विभागों में रोस्टर रजिस्टर को अनिवार्य बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति का 20 प्रतिशत प्रतिनिधित्व हर हाल में सुनिश्चित होना चाहिए।

ज्ञापन सौंपने के दौरान खंड प्रधान वीरेंद्र कुमार, टेक चंद, कमल किशोर, सुभाष चंद, देवेंद्र नूनवाल, भीम आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष कमल बराड़ा, लहरी सिंह, संजीव कुमार समेत कई सदस्य मौजूद रहे।

मदिरा दुकानों के लाइसेंस निरस्त

सागर, एजेंसी। मध्यप्रदेश में सागर जिले की कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी प्रतिभा पाल ने बंडा क्षेत्र की घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रकरण में संलिप्त पाए गए दो आरोपियों के वर्ष 2026–27 के लिए स्वीकृत मदिरा लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। सूत्रों के अनुसार बंडा घटना के बाद थाना विनायका एवं थाना बंडा में भारतीय न्याय संहिता तथा मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर वैधानिक जांच शुरू की गई।

गणेश चतुर्थी की धूम, सज रहे भव्य पंडाल

टी0आई0एल0 संवाददाता

बांदा। जनपद में 14 सितंबर को मनाए जाने वाले गणेश चतुर्थी पर्व को लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है। शहर से लेकर गांवों तक भगवान गणेश के स्वागत की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। विभिन्न स्थानों पर भव्य और आकर्षक पंडाल सजाए जा रहे हैं। बाजारों में गणेश प्रतिमाओं की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ने लगी है।

शहर के प्रमुख चौराहों, मोहल्लों और बाजारों में गणपति स्थापना के लिए विशेष पंडाल तैयार किए जा रहे हैं। कारीगर और युवा समितियों के सदस्य दिन–रात पंडालों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। कहीं फूलों और रंग–बिरंगी रोशनी से सजावट हो रही है तो कहीं आकर्षक थीम पर पंडाल बनाए जा रहे हैं। बाजारों में विभिन्न आकार और स्वरूप की गणेश प्रतिमाएं सज गई हैं। श्रद्धालु अपनी पसंद के अनुसार मूर्तियों की खरीदारी कर रहे हैं। 14 सितंबर को प्राण–प्रतिष्ठा के साथ ही पूरा जनपद गणपति बाप्पा मोरया और जय गणेश देवा के जयकारों से गूंज उठेगा।

पर्व को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन भी तैयारी में जुटा है। प्रमुख पंडालों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए भी विशेष योजना बनाई जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

जिला अस्पताल में नहीं स्वाइन फ्लू की जांच सुविधा, वार्ड आरक्षित

टी0आई0एल0 संवाददाता

बांदा। स्वाइन फ्लू जैसी गंभीर बीमारी के लिए जिला अस्पताल में अब तक जांच की कोई सुविधा नहीं है। मशीन न होने से जिला अस्पताल में आने वाले एक भी मरीज की जांच नहीं हो सकी है। दूसरी तरफ रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में स्वाइन फ्लू की 50 किट उपलब्ध कराई गई हैं। यहां 20 बेड का आइसोलेशन वार्ड भी बनाया गया है। हालांकि मेडिकल कॉलेज प्रशासन का दावा है कि जिले या आसपास के जिलों से अब तक एक भी स्वाइन फ्लू का रोगी नहीं आया है।

जिला अस्पताल में वर्तमान में जुकाम, खांसी, बुखार के मरीज आ रहे हैं। प्रतिदिन की ओपीडी 1500 से लेकर 1800 तक मरीजों की पहुंच रही है। डॉक्टर कक्षों के बाहर मरीजों की लंबी लाइन लग रही है।

यहां स्वाइन फ्लू से बचाव के कोई उपाय नजर नहीं आ रहे हैं। जिला अस्पताल प्रशासन ने आठ बेड का स्वाइन फ्लू वार्ड बनाया हुआ है। अस्पताल प्रशासन का दावा है कि अब तक उनके अस्पताल में एक भी संदिग्ध मरीज नहीं आया है। जिला अस्पताल में स्वाइन फ्लू जांच की कोई सुविधा नहीं है। जिम्मेदारों का कहना है कि उनके पास जांच मशीन नहीं है। इसलिए एक भी स्वाइन फ्लू की जांच नहीं की जा सकी है।

उधर, रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में स्वाइन फ्लू जांच के लिए 50 किट मिली हैं। यहां जांच की सुविधा मौजूद है। इसके अलावा 100 टैबलेट भी मुहैया कराई गई हैं। रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में 20 बेड का आइसोलेशन वार्ड भी बनाया गया है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने बताया कि उनके यहां अब तक एक भी स्वाइन फ्लू का मरीज नहीं आया है।

नगर पंचायत अध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष में सड़क पर गुत्थमगुत्था

टी0आई0एल0 संवाददाता

हमीरपुर । जल निकासी की छोटी सी बात को लेकर वर्तमान और पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष गुत्थमगुत्था हो गई। बातचीत से शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ा कि भाजपा की नगर पंचायत अध्यक्ष आशा रानी कबीर ने सपा की पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष माया वाल्मीकि को धक्का दे दिया। इससे वह सड़क पर पड़े पत्थरों पर गिर गईं। माया वाल्मीकि ने वहीं से एक पत्थर उठाकर आशा रानी पर हमला करने की कोशिश की। इसके बाद भी काफी देर तक दोनों के बीच हाथापाई होती रही। कुछ महिलाओं ने किसी तरह दोनों को अलग कराया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

घटना सुबह करीब 11.45 बजे वार्ड नंबर नौ के बस स्टैंड नई बस्ती इलाके की है। नगर पंचायत अध्यक्ष आशा रानी कबीर कर्मचारियों, जेई के साथ जेसीबी लेकर जल निकासी की समस्या का निरीक्षण करने पहुंची थीं। इसी दौरान सपा नेता एवं पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष माया वाल्मीकि से नाली का पानी रोकने को लेकर उनकी कहासुनी शुरू हो गई।

वीडियो में दिख रहा है कि देखते ही देखते दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हाथापाई में बदल गई। आशा रानी मौर्य ने माया वाल्मीकि को धक्का दिया तो वह सड़क पर गिर गईं। वहीं पूर्व अध्यक्ष के ईंट उठाकर मारने के लिए आगे बढ़ीं। इसके बाद दोनों के बीच में हाथापाई शुरू हो गई। वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह दोनों को अलग किया।

स्टांप वेंडर हड़ताल पर, 15 हजार की बिक्री प्रभावित

टी0आई0एल0 संवाददाता

उरई। तहसील परिसर में कथित रूप से सक्रिय दलालों के हस्तक्षेप के विरोध में स्टांप वेंडरों ने हड़ताल कर दी। वेंडरों ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर तहसील परिसर में दलालों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाकर कार्रवाई करने की मांग की। हड़ताल के चलते करीब 15 हजार रुपये के स्टांप की बिक्री प्रभावित होने का दावा किया गया।

एसडीएम को दिए प्रार्थना पत्र में स्टांप वेंडरों ने बताया कि तहसील उरई परिसर में प्रतिदिन सैकड़ों नागरिक अपने राजस्व, आवासीय और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आते हैं। आरोप है कि परिसर में कुछ लोग कथित तौर पर दलाल के रूप में सक्रिय हैं। ये लोग ग्रामीणों और आम लोगों को काम जल्द कराने का झांसा देकर भ्रमित करते हैं और उनसे अवैध धन की उगाही करते हैं। इससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मांगों के समर्थन में बृहस्पतिवार को स्टांप वेंडर हड़ताल पर रहे। वेंडरों के मुताबिक, हड़ताल के कारण करीब 15 हजार रुपये के स्टाम्प की बिक्री प्रभावित हुई।

टेलीग्राम पर अश्लील वीडियो बेचने का मामला, साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज

टी0आई0एल0 संवाददाता

चित्रकूट। जिले में टेलीग्राम के जरिये अश्लील वीडियो बेचने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया कंपनी मेटा की सुरक्षा टीम की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कर्वी निवासी आरोपी के खिलाफ साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज की है। साइबर थाना के निरीक्षक इंदल यादव ने दी तहरीर में बताया कि कर्वी निवासी सौरभ मिश्रा टेलीग्राम चौनल और ग्रुप बनाकर अश्लील वीडियो का धंधा कर रहा था। वह टेलीग्राम पर अश्लील क्लिप का ट्रेलर डालता था और फिर निजी चौट में ग्राहकों से संपर्क करता था। ग्राहकों से ऑनलाइन पेमेंट लेने के बाद वह वीडियो की फाइल या प्राइवेट लिंक भेज देता था।

मेटा की सुरक्षा टीम ने अश्लील कंटेंट की निगरानी के दौरान इस संदिग्ध गतिविधि को पकड़ा था। कंपनी ने इसकी सूचना साइबर क्राइम पोर्टल और स्थानीय पुलिस को दी। सूचना के साथ आरोपी की आईडी, टेलीग्राम हैंडल और अन्य डिजिटल साक्ष्य भी साझा किए गए। इसके आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के मोबाइल नंबर, टेलीग्राम आईडी और बैंक ट्रांजेक्शन की जांच की जा रही है। साइबर टीम उसके डिजिटल फुटप्रिंट खंगाल रही है। आरोपी अभी फरार है, उसकी तलाश के लिए टीम लगाई गई हैं, जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

तीन साल पूरे होने से दो दिन पहले जालौन डीएम का तबादला

टी0आई0एल0 संवाददाता

उरई। वहीं समीर को जालौन का नया जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। राजेश कुमार पांडेय ने 12 सितंबर 2023 को जालौन के जिलाधिकारी का कार्यभार संभाला था। उनकी तैनाती के तीन साल 12 सितंबर 2026 को पूरे होने थे, लेकिन इससे ठीक दो दिन पहले 10 सितंबर को शासन ने उनका स्थानांतरण कर दिया। करीब तीन साल के कार्यकाल में नून नदी के पुनर्जीवन और जल संरक्षण के काम उनकी प्रमुख उपलब्धियों में रहे।

राजेश कुमार पांडेय के कार्यकाल की सबसे प्रमुख उपलब्धियों में 81 किलोमीटर लंबी सूख चुकी नून नदी का पुनर्जीवन रहा। ड्रोन से सर्वे कराने के बाद नदी की सफाई, चौड़ीकरण और जल संरक्षण का काम जनभागीदारी से कराया गया। अभियान में बड़ी संख्या में लोगों ने श्रमदान किया।

दौड़ व लंबी कूद में इरफान प्रथम

टी0आई0एल0 संवाददाता

अमेठी। राजकीय हाईस्कूल सवितापुर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

दौड़ प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में सोनिया ने प्रथम, शिवकांति ने द्वितीय और जया ने तृतीय स्थान हासिल किया। बालक वर्ग में इरफान ने प्रथम, अंशू ने द्वितीय और शिवा ने तीसरा स्थान पाया। लंबी कूद के बालिका वर्ग में जया ने प्रथम, पूनम ने द्वितीय और शिवाकांती ने तृतीय स्थान हासिल किया। बालक वर्ग में इरफान ने प्रथम, अंशू ने द्वितीय और करन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।गोला फेंक प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में राधा ने प्रथम, शालू ने दूसरा और पूनम ने तृतीय स्थान हासिल किया। बालक वर्ग में अंशू ने प्रथम, इरफान ने द्वितीय और विकास ने तृतीय स्थान पाया। प्रधानाचार्य सत्येंद्र त्रिवेदी ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित होती है।

उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में समय-समय पर प्रतियोगिताएं आयोजित कर विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर दिया जाएगा। प्रतियोगिता में शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

बिजली कटौती से खफा लोगों ने घेरा उपकेंद्र

टी0आई0एल0 संवाददाता

रायबरेली। सतांव क्षेत्र के लोगों को बिजली संकट से राहत नहीं मिल पा रही है। दिन में फॉल्ट, तो रात में अघोषित कटौती से बिजली गुल रहती है। इससे खफा ग्रामीणों ने विद्युत उपकेंद्र ताला का घेराव किया।

सभी ने कटौती बंद किए जाने की मांग की। हंगामे की सूचना पर उपखंड अधिकारी अखिलेश कुमार मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों से 11 सूत्री ज्ञापन लेकर समस्याएं दूर कराने का भरोसा दिया। इस पर ग्रामीण शांत हुए।

कोंसा ग्राम प्रधान गिरिजाशंकर लोधी, बबलू की अगुवाई में कृष्णपुर ताला, खगियाखेड़ा के ग्रामीण दोपहर करीब 12 बजे उपकेंद्र पहुंचे। उपकेंद्र के कर्मचारियों को खरी-खोटी सुनाई। कहा कि 18 घंटे बिजली आपूर्ति का शेड्यूल है, लेकिन महज 10 से 12 घंटे बिजली मिल रही है। शाम होने पर अघोषित

कटौती शुरू हो जाती है। अभिषेक कुमार, शत्रोहन, शशांक, अनिल कुमार, विपिन रावत ने बताया कि दिन में फॉल्ट और कनेक्शन काटने के नाम पर बिजली बंद कर दी जाती है। इसके पहले बिजली कटौती बंद किए जाने की मांग की गई थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इससे लोगों की नींद हराम हो रही है। बच्चे और बुजुर्ग सो नहीं पा रहे हैं। ग्रामीणों ने जर्जर तार और खंभे बदलवाने की मांग की। कहा कि ओवरलोड ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई जाए, बिलिंग में गड़बड़ी दूर की जाए। नलकूप फीडरों को 10 की जगह 14 घंटे बिजली देने की मांग की। उपखंड अधिकारी के समझाने पर ग्रामीणों ने दोपहर एक बजे घेराव बंद कर दिया।

तालाब में उतराता मिला ग्रामीण का शव, डूबने की आशंका

टी0आई0एल0 संवाददाता

फतेहपुर। थाना क्षेत्र के गोकुलपुर गांव में सुबह गांव से करीब 200 मीटर दूर तालाब में एक ग्रामीण का शव उतराता मिला। पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकलवाया। ग्रामीण की पहचान गोकुलपुर निवासी झुर्री रैदास के रूप में हुई।

भतीजे बरमदीन ने बताया कि झुर्री की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती थी और उन्हें कम दिखाई देता था। वह शौच के लिए घर से निकले थे। देर शाम तक घर नहीं लौटे तो परिजन ने तलाश की, लेकिन उनका पता नहीं चला।आशंका है कि पैर फिसलने से वह तालाब में डूब गए। उनकी पत्नी दोनों बेटों राज कुमार और नीरज के साथ चित्रकूट के बाऊपुर गांव में रहती हैं। थानाध्यक्ष अभिलाष तिवारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया डूबने से मौत की आशंका है।

चार मरीजों में स्वाइन फ्लू की आशंका

टी0आई0एल0 संवाददाता

फर्रुखाबाद। डॉ. राममनोहर लोहिया पुरुष अस्पताल में चार मरीजों में स्वाइन फ्लू की आशंका जताई गई है। इनके नमूने रिवर्स ट्रांसक्रिप्शन पॉलीमरेज चेन रिएक्शन (आरटीपीसीआर) जांच के लिए कन्नौज के तिर्वा मेडिकल कॉलेज भेजे गए हैं। अस्पताल में बुखार, खांसी और गले में दर्द के बढ़ते मरीजों से सभी वार्डों में बेड भर गए हैं। रात से ही मरीजों को बर्न यूनिट के वार्ड में भर्ती करना पड़ा। शाहजहांपुर के बलवीर, अल्हागंज की मालती और लकूला की कांति देवी व शिवम के नमूने रविवार दोपहर में लिए गए। यह कदम पड़ोसी जिलों में स्वाइन फ्लू के मरीज मिलने के बाद शासन के निर्देशों पर उठाया गया है। सीएमएस जगमोहन शर्मा ने मरीजों को बुखार आने पर तुरंत सरकारी अस्पताल में इलाज कराने की सलाह दी।

वकीलों के हंगामे से डेढ़ घंटे बाधित रही राष्ट्रीय लोक अदालत

टी0आई0एल0 संवाददाता

कानपुर। न्यायिक अधिकारियों, पुलिस कमिश्नर और बार व लॉयर्स एसोसिएशन के महामंत्रियों के बीच बातचीत के बाद व्यवस्था सामान्य हुई और लोक अदालत का काम दोबारा शुरू हो सका। बार एसोसिएशन और लॉयर्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय प्रांतीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। सम्मेलन के अंतिम दिन मंच से राष्ट्रीय लोक अदालत के बहिष्कार की घोषणा का प्रस्ताव पारित किया गया था। वहीं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत अपने निर्धारित समय सुबह 10 बजे शुरू हुई। वादकारी अपने लंबित वादों के निस्तारण के लिए न्यायालय पहुंचे थे। इसी दौरान बार एसोसिएशन के महामंत्री बिनय मिश्रा और लॉयर्स एसोसिएशन के महामंत्री राजीव यादव के नेतृत्व में करीब दो दर्जन अधिवक्ताओं का जत्था न्यायालय परिसर पहुंचा।

अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता एकता जिंदाबाद और लोक अदालत का बहिष्कार करो के नारे लगाए। अदालतों में कुछ अधिवक्ताओं को काम करते देख उनसे कार्य बहिष्कार में शामिल होने और काम न करने का आग्रह किया गया। इसी दौरान कुछ अधिवक्ताओं के बीच नोकझोंक हो गई। स्थिति हाथापाई तक पहुंचने की नौबत बनी तो अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल पुलिस फोर्स के साथ कचहरी पहुंचे। पुलिस ने कचहरी परिसर की भूतल से लेकर पांचवीं मंजिल तक गश्त की। हालांकि पुलिस के पहुंचने तक हंगामा शांत हो चुका था।

जिले के स्टेशनों पर सुविधाओं की रेल बेपटरी

टी0आई0एल0 संवाददाता

गाजीपुर। जनपद के 26 रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन करीब 68,300 यात्री यात्रा करते हैं। इसके बावजूद यात्रियों के लिए बुनियादी सुविधाएं मुकम्मल नहीं हैं। कहीं शौचालयों पर ताला लटका मिला तो कहीं महिला प्रतीक्षालय में पुरुष यात्री आराम करते मिले। कई स्टेशनों पर पेयजल, पंखे और अन्य जरूरी सुविधाओं की स्थिति भी यात्रियों की परेशानी बढ़ाने वाली है। जिले में वाराणसी-छपरा, वाराणसी-मऊ और दिल्ली-हावड़ा तीन रेलखंड हैं। इन पर दो जंक्शन, 16 रेलवे स्टेशन और शेष हॉल्ट हैं। जंक्शन से लेकर रेलवे स्टेशन और हॉल्ट तक यात्री सुविधाओं की स्थिति चरमराई हुई है। इसका सीधा खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। यात्री सुविधाओं की लचर स्थिति का सबसे अधिक असर महिला और बीमार यात्रियों पर पड़ता है। कहीं नल की टोटियां टूटी हैं तो कहीं शौचालयों पर ताले लटके हैं। कई जगह पंखों का अभाव है।औड़िहार जंक्शन पर कोच इंडीकेटर नहीं होने से यात्रियों को ट्रेन आने के बाद अपना कोच ढूंढने में परेशानी होती है। वहीं कई स्टेशनों पर रैंप जैसी जरूरी सुविधाएं भी नहीं हैं।

सम्पादकीय

युद्ध शांत करेगा ब्रिक्स?

अमरीका–ईरान और रूस–यूक्रेन युद्धों के बीच ब्रिक्स देशों का 18वां शिखर सम्मेलन इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है कि वह युद्धों को शांति, स्थिरता में तबदील कर सकता है। ब्रिक्स सम्मेलन 12–13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। भारत इस बार अध्यक्ष एवं मेजबान है। युद्धों ने खाद्य–ऊर्जा संकट पैदा किए हैं, दुनिया भर की सप्लाई चेन बाधित है, विश्व की अर्थव्यवस्थाओं का कबाड़ा हो चुका है, आपसी भू–रणनीतिक समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और युद्धकालीन कानून बेमानी साबित हो रहे हैं और अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप अब भी अनाप–शनाप टैरिफ थोपने और पाबंदियां घोषित करने पर आमादा हैं। ब्रिक्स का मंच इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत, रूस, चीन, ब्राजील इसके संस्थापक सदस्य हैं। बाद में दक्षिण अफ्रीका जुड़ा और अब 11 देश पूर्णकालिक सदस्य हैं और 10 पार्टनर देश हैं। वे विश्व की 28 फीसदी नॉमिनल जीडीपी और 50 फीसदी से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन और भारत सरीखी आर्थिक महाशक्तियां ब्रिक्स की सूत्रधार हैं और रूस की कूटनीतिक, सामरिक, प्रौद्योगिकी संबंधी ताकत दुनिया जानती है। जब प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति पुतिन, राष्ट्रपति शी जिनपिंग आपस में मिलेंगे, तो इससे बड़ी कूटनीतिक खबर क्या हो सकती है? ब्रिक्स देश आपसी सहयोग, व्यापार, स्वास्थ्य–शिक्षा, सैन्य–साइबर सहयोग, ऊर्जा, अंतरिक्ष संबंधी समझौते पारित कर सकते हैं, लेकिन सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह है कि पहली बार डिजिटल सेवाओं को साझा करने और उनके कारोबार पर ब्रिक्स देशों के वाणिज्य–व्यापार मंत्रियों में सहमति हुई है। अंतिम मुहर शिखर सम्मेलन में लगाई जाएगी। डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में भारत का स्थान अमरीका, ब्रिटेन, आयरलैंड, जर्मनी के बाद 5वां है। चीन छठे स्थान पर है। ब्रिक्स देशों में डिजिटल सेवा निर्यात में भारत की हिस्सेदारी करीब 48 फीसदी है, जो बेहद महत्वपूर्ण है। इंटरनेट, ऐप, ई–मेल, वीडियो कॉल और डिजिटल मंच के जरिए सेवाएं सभी ब्रिक्स देशों में साझा की जा सकेंगी। 2024 में भारत ने करीब 24 लाख करोड़ रुपए (269 अरब डॉलर) की सेवाएं विश्व को दी हैं। अब ब्रिक्स समझौते के बाद आईटी, कारोबारी सेवाओं के अलावा वित्तीय, बीमा, रिसर्च, परामर्श, इंजीनियरिंग और शिक्षा–स्वास्थ्य सेवाएं भी डिजिटल तरीके से दी जा सकेंगी। नीति आयोग के मुताबिक, 2015–24 के बीच भारत का विदेशों में डिजिटल सेवा कारोबार करीब 3–गुना हो गया है। इनमें सॉफ्टवेयर निर्यात, आईटी और बीपीओ सेवाएं सम्मिलित हैं। लेकिन मौजूदा हालात में युद्ध सबसे संवेदनशील, विनाशक और अनिवार्य मुद्दा है, क्योंकि ईरान भी ब्रिक्स का सदस्य देश है। वहां के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान भी आ रहे हैं।

जाहिर है कि उनकी कई स्तरों पर बातचीत होगी! रूस के राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति ट्रंप ने फोन पर करीब एक घंटा बातचीत की है। 11 सितंबर, को भारत के प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन में एक बार फिर द्विपक्षीय संवाद होगा। तय है कि युद्ध की बात जरूर होगी, क्योंकि भारत शांति का पक्षधर है। ईरान और यूक्रेन में व्यापक विनाश, विध्वंस हुए हैं और युद्ध अब भी जारी है। राष्ट्रपति ट्रंप को आश्वस्त किया गया है कि ब्रिक्स अमरीका और डॉलर–विरोधी मंच नहीं है। वैकल्पिक मुद्रा तय करने का कोई एजेंडा भी नहीं है। यह क्रेमलिन के प्रवक्ता भी स्पष्ट कर चुके हैं। बेशक रूस और ब्राजील आग्रह करते रहे हैं कि ब्रिक्स देश की अपनी ही मुद्रा (करेंसी) होनी चाहिए, लेकिन वैकल्पिक मुद्रा तय करना और उसे अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाना आसान नहीं है। वैश्विक व्यवस्था का सवाल है। हालांकि ब्रिक्स के देश द्विपक्षीय आधार पर अपनी–अपनी मुद्राओं में लेन–देन कर सकते हैं। भारत और रूस, चीन और रूस, चीन और ईरान अपनी मुद्राओं में ही कारोबार कर रहे हैं। जहां तक युद्ध का सवाल है, उसमें अमरीका और रूस–चीन 'पहल' कर सकते हैं। रूस–चीन ईरान को हथियार सप्लाई के साथ खुफिया, सेटेलाइट जानकारियां भी मुहैया करवा रहे हैं। नतीजतन ईरान खाड़ी देशों के अमरीकी सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले करने में कामयाब हो रहा है। दूसरी ओर, अमरीका और यूरोप ने यूक्रेन को युद्ध के लिए उकसाया था। उसे आर्थिक मदद के अलावा विनाशक मिसाइलें, ड्रोन आदि भी मुहैया कराए थे। अब भी वे मदद कर रहे हैं, हालांकि अमरीका खुद हथियारों के संकट से जूझ रहा है, लेकिन शांति का रास्ता इन्हीं देशों से निकलेगा। क्या ब्रिक्स उसमें सार्थक भूमिका अदा कर सकता है? क्या भारत की ओर से भी इस लड़ाई को खत्म करने के लिए कोई ठोस व सार्थक पहल होगी?

लद्दाख के लिए विशेष प्रावधान!

वीपी राहुल

लद्दाख के राजनीतिक भविष्य को लेकर केंद्र सरकार और क्षेत्रीय प्रतिनिधियों के बीच चल रही बातचीत में एक महत्वपूर्ण मोड़ सामने आया है। नई दिल्ली में 9 सितम्बर को गृह मंत्रालय और लद्दाख की उप–समिति के बीच हुई बैठक में केंद्र ने लद्दाख को अतिरिक्त संवैधानिक संरक्षण देने के लिए संविधान में नए अनुच्छेद 371(के) को जोड़ने का प्रस्ताव रखा। यह प्रस्ताव अपने आप में महत्वपूर्ण है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से लद्दाख में भूमि, संस्कृति, पर्यावरण, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की सुरक्षा को लेकर लगातार मांग उठती रही है। हालांकि, इस बातचीत को अभी किसी अंतिम समझौते के रूप में देखना जल्दबाजी होगी, क्योंकि प्रस्तावित अनुच्छेद का अभी कोई लिखित मसौदा सामने नहीं आया है और कई महत्वपूर्ण अधिकारों पर बातचीत बाकी है।

लद्दाख के लिए संवैधानिक सुरक्षा की मांग को समझने के लिए उसके मौजूदा राजनीतिक ढांचे को समझना जरूरी है। वर्ष 2019 में जम्मू–कश्मीर के पुनर्गठन के बाद लद्दाख को अलग केंद्रशासित प्रदेश बनाया गया। इस बदलाव के साथ लद्दाख को राज्य विधानसभा से अलग कर दिया गया और यहां सीधे निर्वाचित विधानसभा की व्यवस्था नहीं की गई। यही व्यवस्था धीरे–धीरे क्षेत्र के राजनीतिक विमर्श का केंद्रीय मुद्दा बन गई। लद्दाख के विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक समूहों ने मांग की कि क्षेत्र के लोगों को अपने प्रशासन, भूमि, संसाधनों और सांस्कृतिक पहचान से जुड़े फैसलों में अधिक प्रत्यक्ष भूमिका मिलनी चाहिए। इसी मांग को लेकर लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस जैसे संगठनों ने केंद्र के साथ बातचीत शुरू की। इन समूहों में कार्यकर्ता सोनम वांगचुक सहित कई प्रमुख लोग शामिल हैं। मई और जुलाई 2026 में हुई बैठकों में केंद्र और लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच एक तरह की सैद्धांतिक सहमति बनी थी कि लद्दाख को संवैधानिक सुरक्षा और किसी प्रकार की निर्वाचित क्षेत्रीय व्यवस्था दी जा सकती है। यह बैठक उसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने वाली थी।

केंद्र की ओर से अब अनुच्छेद 371(के) का प्रस्ताव सामने आना इसलिए अहम है क्योंकि संविधान में अनुच्छेद 371 के तहत देश के कुछ विशेष क्षेत्रों के लिए अलग–अलग संवैधानिक प्रावधान मौजूद हैं। इन प्रावधानों का उद्देश्य उन क्षेत्रों की विशिष्ट सामाजिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विशेष सुरक्षा उपलब्ध कराना है। लद्दाख के मामले में भी ऐसी व्यवस्था का उद्देश्य उसकी विशिष्ट भौगोलिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय परिस्थितियों को ध्यान में रखना हो सकता है लेकिन सवाल सिर्फ यह नहीं है कि लद्दाख को संवैधानिक सुरक्षा मिलेगी या नहीं। असली सवाल यह है कि उस सुरक्षा का स्वरूप क्या होगा और उसके पास कितनी वास्तविक शक्ति होगी? केंद्र की ओर से प्रस्तावित व्यवस्था के तहत लद्दाख में एक केंद्रशासित प्रदेश स्तर की निर्वाचित संस्था बनाने की बात सामने आई है। इसके सदस्य सीधे चुनाव के माध्यम से चुने जा सकते हैं और उन्हें भूमि, संस्कृति एवं भाषा, वन, पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों तथा संविधान के अनुच्छेद 240 के तहत केंद्रशासित प्रदेश के लिए निर्धारित कुछ विषयों पर कानून बनाने की शक्ति मिल सकती है। यह प्रस्ताव लद्दाख के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव हो सकता है। यदि स्थानीय लोगों द्वारा चुनी गई संस्था को भूमि और प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े फैसलों में वास्तविक अधिकार मिलता है, तो इससे स्थानीय आबादी की लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को कुछ हद तक दूर किया जा सकता है। लद्दाख जैसे संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र में भूमि और पर्यावरण का सवाल केवल आर्थिक नहीं है। यहां पर्यावरणीय संतुलन, जल संसाधन, पर्यटन, निर्माण और स्थानीय संस्कृति एक–दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। हालांकि लद्दाख के प्रतिनिधि केवल विधायी अधिकारों से संतुष्ट नहीं हैं। उनकी मांग है कि प्रस्तावित निर्वाचित संस्था को कार्यपालिका, बजट, योजना और वित्तीय मामलों में भी पर्याप्त अधिकार दिए जाएं। उनका तर्क है कि यदि किसी निर्वाचित संस्था के पास कानून बनाने की शक्ति तो हो, लेकिन प्रशासनिक मशीनरी, बजट और पुलिस पर नियंत्रण न हो, तो उसकी लोकतांत्रिक शक्ति सीमित रह सकती है।यही विवाद कानून–व्यवस्था और पुलिस के अधिकार को लेकर सबसे स्पष्ट रूप से सामने आया है। सोनम वांगचुक ने बैठक के बाद कहा कि प्रस्तावित विधानसभा को नौकरशाही पर सर्वोच्चता मिलनी चाहिए और पुलिस तथा कानून–व्यवस्था पर भी उसका नियंत्रण होना चाहिए। केंद्र ने इस मुद्दे पर तत्काल कोई अंतिम सहमति नहीं दी और इसे अक्टूबर में होने वाली अगली बातचीत के लिए छोड़ दिया है। यहीं से यह पूरा मामला केवल संवैधानिक प्रावधान का नहीं, बल्कि वास्तविक सत्ता के बंटवारे का प्रश्न बन जाता है। लोकतंत्र में चुनाव तभी प्रभावी होते हैं जब निर्वाचित प्रतिनिधियों के पास निर्णय लेने की पर्याप्त शक्ति भी हो। अगर जनता अपने प्रतिनिधि चुनती है, लेकिन प्रशासनिक फैसलों पर अंतिम नियंत्रण किसी अन्य व्यवस्था के पास रहता है, तो निर्वाचित संस्था और जनता के बीच पैदा हुई राजनीतिक अपेक्षाएं पूरी नहीं हो सकतीं। लद्दाख के प्रतिनिधियों की दूसरी बड़ी चिंता पिछले वर्ष सितंबर में हुए आंदोलन और उसके बाद दर्ज मामलों को लेकर है। प्रतिनिधियों ने आंदोलन से जुड़े सभी मामलों को एक साथ वापस लेने की मांग की है। केंद्र की ओर से इस विषय पर विचार करने की बात कही गई है। साथ ही आंदोलन के दौरान जान गंवाने वालों और घायलों के लिए मुआवजा पैकेज का आश्वासन भी दिए जाने की बात सामने आई है।

ई वाहनों और हरित ऊर्जा की नई तकनीकों का प्रदर्शन

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। वृंदावन ग्राउंड में नवीकरणीय (अक्षय) ऊर्जा एवं इलेक्ट्रिक वाहन प्रदर्शनी–2026 (आरईवी एक्सपो) के तीसरे संस्करण का शुभारंभ हुआ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और विधान परिषद सदस्य राम चंद्र प्रधान ने संयुक्त रूप से एक्सपो का उद्घाटन किया। एक्सपो में 250 कंपनियां और करीब 500 ब्रांड हिस्सा ले रहे हैं।उद्घाटन के बाद उपमुख्यमंत्री ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने सौर ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों से जुड़ी नई तकनीकों और उत्पादों की जानकारी ली। उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। एक्सपो में इलेक्ट्रिक वाहन, सौर ऊर्जा और हरित प्रौद्योगिकी से जुड़े उत्पाद एवं समाधान प्रदर्शित किए जा रहे हैं।

आयोजन का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ इस क्षेत्र में नवाचार, निवेश और रोजगार की संभावनाओं को बढ़ावा देना है। इस मौके पर राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संघ के अध्यक्ष सौरभ शर्मा, उमंगोट सोलर के संस्थापक गोपाल शर्मा तथा आयोजक अंचल दीक्षित और विपिन लोहिया मौजूद रहे।

मोदी के साथ न वंश परंपरा थी, न विरासत, तप–साधना और संघर्ष से बनाई पहचान : योगी

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ न कोई वंश परंपरा थी और न ही उन्हें कोई विरासत वंशानुगत रूप से मिली थी। उनके पास तप, साधना, संघर्ष और देश के लिए कुछ कर गुजरने की चाहत थी। आज उनकी साधना और तप का लाभ पूरे देश को योग्य नेतृत्व के रूप में मिल रहा है।

सात अक्तूबर को गुजरात के मुख्यमंत्री और फिर देश के प्रधानमंत्री के रूप में शासन प्रमुख के तौर पर नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस यात्रा के प्रति कृतज्ञता जताने के लिए प्रदेश सरकार और भाजपा संगठन मिलकर 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक प्रदेशव्यापी 'सेवा संकल्प अभियान' चलाएंगे।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री ने अभियान की कार्ययोजना साझा करते हुए कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री का जन्मदिन प्रदेशभर में 'सेवा दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस दिन हर ग्राम पंचायत, नगर निकाय और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान में 'आशीर्वाद का दीया' जलाया जाएगा। इसके जरिये प्रदेश की जनता प्रधानमंत्री के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना करेगी। अस्पतालों में फल वितरण के साथ रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे। भाजपा और युवा मोर्चा के कार्यकर्ता भी सेवा कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की बड़नगर से काशी तक की यात्रा को भी अभियान से जोड़ा गया है। बड़नगर से काशी के लिए 10 और काशी से बड़नगर के लिए 10 यात्राएं निकाली जाएंगी। बड़नगर का जल लेकर यात्राएं काशी आएंगी, जबकि उत्तर प्रदेश की 10 नदियों का पवित्र जल लेकर यात्राएं बड़नगर

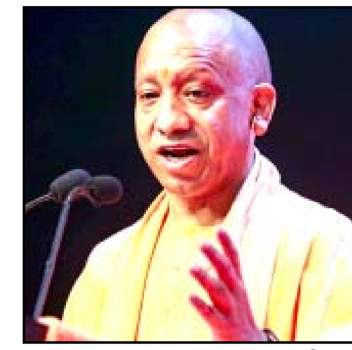

जाएंगी। सभी यात्राएं 17 सितंबर को शुरू होंगी और सात अक्तूबर को अपने गंतव्य तक पहुंचेंगी। यात्रा मार्ग पर हर दिन चार स्थानों पर चौपाल और जनसंवाद के कार्यक्रम होंगे।अभियान के तहत सरकारी योजनाओं से अब तक वंचित पात्र लोगों को लाभ दिलाने के लिए 'सेवा सेतु' शिविर लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि 29–30 सितंबर से 10 अक्तूबर के बीच प्रत्येक विकासखंड और जिला मुख्यालय के नगर निकाय में छह से सात दिन तक शिविर लगाने की योजना है।

स्काउटिंग से मजबूत होती है अनुशासन की नींव

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। केंद्रीय विद्यालय आरडीएसओ में केंद्रीय विद्यालय संगठन राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स के तीन दिवसीय संभाग स्तरीय तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत हुई। कार्यक्रम की शुरुआत आरडीएसओ के ईडी (वित्त) विनीत द्विवेदी ने की।

उन्होंने कहा कि स्काउटिंग से अनुशासन की नींव मजबूत होती है। विद्यालय के प्राचार्य व शिविर निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि शिविर में लखनऊ संभाग के 24 विद्यालयों से 173 स्काउट्स, 156 गाइड्स, 45 अनुरक्षक, 11 अधिकारी और एक क्वार्टर मास्टर समेत कुल 386 लोग प्रतिभाग कर रहे हैं। शिविर का नेतृत्व अजय कुमार वर्मा कर रहे हैं। इस दौरान केंद्रीय विद्यालय संगठन लखनऊ संभाग की उपायुक्त सोना सेठ मुख्य अतिथि रहेंगी।

आतिशबाजी कारोबार को बढ़ावा, सुरक्षा से समझौता नहीं : ब्रजेश पाठक

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए नियमसम्मत आतिशबाजी कारोबार को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता है। व्यापारियों के हितों और जनसुरक्षा के बीच बेहतर समन्वय बनाकर कारोबार को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश फायर वर्क्स डीलर्स वेलफेयर एसोसिएशन के वार्षिक अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने एसोसिएशन के पदाधिकारियों से संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने।

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी में जुटी भाजपा

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी के कोर ग्रुप ने लखनऊ में एक अहम बैठक की।

भाजपा के राज्य मुख्यालय में हुई यह बैठक दो घंटे से ज्यादा समय तक चली और इसमें पार्टी की चुनावी तैयारियों, संगठनात्मक रणनीति और आने वाले अभियानों पर चर्चा हुई। यह बैठक उत्तर प्रदेश ठश्रच द्वारा अपने क्षेत्रीय और फ्रंटल संगठनों के प्रभारियों (जिनमें छह क्षेत्रीय प्रभारी भी शामिल हैं) की घोषणा के कुछ ही समय बाद हुई है। इस बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, उत्तर प्रदेश के प्रभारी विनोद तावड़े, सह–प्रभारी जगदीश पटेल, राज्य बीजेपी अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक शामिल हुए। बैठक के बाद पंकज चौधरी ने बताया कि नेताओं ने 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारियों और आने वाले महीनों में पार्टी की दिशा को लेकर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में मुख्य रूप से 17 सितंबर से शुरू होने वाले अभियानों पर चर्चा हुई, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के साथ मेल खाते हैं। पंकज चौधरी ने कहा कि बीजेपी 17 सितंबर से श्सेवा संकल्पश और श्सुशासनश अभियान शुरू करेगी। उन्होंने बताया कि बैठक में इन अभियानों की तैयारियों और उन्हें लोगों तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा की गई।

चौधरी ने कहा कि हमने बीएल संतोष जी, बीजेपी उत्तर प्रदेश के प्रभारी और महासचिव विनोद तावड़े जी, सह–प्रभारी जगदीश पटेल जी, मुख्यमंत्री और दोनों उप–मुख्यमंत्रियों के साथ विस्तार से चर्चा की।

एनजीओ के खाते में आए 95 लाख, फिर कई खातों में हुए ट्रांसफर

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। गोपिका वासुदेव मेमोरियल सोसाइटी नाम के एनजीओ के बैंक खाते में सात सितंबर को कहीं से 95 लाख रुपये जमा किए गए। इसके कुछ ही देर बाद पूरी रकम कई अलग–अलग खातों में ट्रांसफर कर दी गई। खाते में इतनी बड़ी रकम की संदिग्ध लेनदेन की जानकारी होने पर एनजीओ के महासचिव प्रखर राय ने पारा थाने में धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराई है।

प्रखर राय राजाजीपुरम के डी–184 स्थित गोपिका वासुदेव मेमोरियल सोसाइटी के महासचिव हैं और उनकी पत्नी आकांक्षा श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष हैं। संस्था का चालू खाता बैंक ऑफ इंडिया की मोहान रोड शाखा में है। प्रखर राय के मुताबिक, सात सितंबर को एनजीओ के खाते में 95 लाख रुपये जमा किए गए।

उसी दिन पूरी रकम कई अन्य खातों में ट्रांसफर कर दी गई। मोबाइल पर मैसेज आने पर उन्हें इस लेनदेन का पता चला। वह तुरंत बैंक पहुंचे और बैंक मैनेजर से मामले की शिकायत की। प्रखर राय के मुताबिक सात सितंबर को कुछ देर के लिए उनका मोबाइल फोन हैक हो गया था। कुछ देर के लिए मोबाइल की स्क्रीन ब्लर हुई। इसके बाद उनके पास खाते में रुपये क्रेडिट और डेबिट होने के मैसेज आए। संदिग्ध लेनदेन का पता चलने पर बैंक ने उन्हें तत्काल पुलिस से शिकायत करने के लिए कहा। प्रखर राय ने इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ पारा थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

उन्होंने बताया कि इतनी बड़ी रकम एनजीओ के खाते में किसने और कहां से भेजी इसकी जानकारी उन्हें नहीं मिल सकी है। उन्होंने एनजीओ के खाते का इस्तेमाल साइबर क्राइम से जुड़ी रकम की हेरफेर के लिए होने की आशंका जताई।

भारत-श्रीलंका रक्षा सहयोग का नया अध्याय

मनोज कुमार अग्रवाल

हिंद महासागर में बदलते सामरिक समीकरणों के बीच भारत और श्रीलंका के रिश्तों में रक्षा सहयोग लगातार महत्वपूर्ण होता जा रहा है। इसी कड़ी में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ हुई मुलाकात कई मायनों में अहम रही। दोनों देशों ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए और श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने स्पष्ट आश्वासन दिया कि श्रीलंका की जमीन का इस्तेमाल भारत की सुरक्षा के खिलाफ किसी गतिविधि के लिए नहीं होने दिया जाएगा।

यह आश्वासन केवल सामान्य कूटनीतिक शिष्टाचार नहीं है। इसके पीछे हिंद महासागर की बदलती भू-राजनीति, चीन की बढ़ती मौजूदगी और श्रीलंका की भौगोलिक स्थिति जैसे कई बड़े रणनीतिक सवाल जुड़े हुए हैं। भारत के लिए श्रीलंका महज एक पड़ोसी देश नहीं है। दोनों देशों के बीच समुद्री सीमाएं, व्यापार, ऐतिहासिक संबंध और सांस्कृतिक संपर्क हैं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि श्रीलंका हिंद महासागर के उन समुद्री रास्तों के बेहद करीब स्थित है, जिनसे होकर एशिया और दुनिया के बीच बड़ी मात्रा में व्यापार होता है। इसलिए भारत के लिए यह जरूरी है कि उसके पड़ोसी देशों की जमीन और बंदरगाह किसी ऐसी शक्ति के रणनीतिक विस्तार का माध्यम न बनें, जिससे भारत की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। श्रीलंका में चीन की मौजूदगी को लेकर भारत की चिंताएं इसी संदर्भ में समझी जानी चाहिए।

श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह का उदाहरण भारत की रणनीतिक चिंता को स्पष्ट करता है। चीन की सरकारी बैंकों से लिए गए बड़े कर्ज और उससे जुड़ी वित्तीय कठिनाइयों के बाद 2017 में श्रीलंका ने हंबनटोटा बंदरगाह को 99 साल की लीज पर चीन के नियंत्रण में दे दिया था। इसके साथ बंदरगाह के आसपास लगभग 15 हजार एकड़ जमीन भी हस्तांतरित की गई थी। भारत के लिए यह घटना इसलिए महत्वपूर्ण थी क्योंकि इससे यह सवाल पैदा हुआ कि आर्थिक परियोजनाएं भविष्य में किसी देश की सामरिक मौजूदगी का आधार भी बन सकती हैं। इसी पृष्ठभूमि में अनुरा कुमारा दिसानायके का यह कहना कि श्रीलंका की धरती भारत के सुरक्षा हितों के खिलाफ इस्तेमाल नहीं होने दी जाएगी, नई दिल्ली के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश है। यह भरोसा दोनों देशों के बीच रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने की आधारभूमि तैयार करता है।

बैठक के दौरान दोनों देशों ने तीन समझौते किए। इनमें श्रीलंकाई वायुसेना द्वारा इस्तेमाल की जा रही भारत से मिली छह एल-70 वायु रक्षा तोपों के उन्नयन से संबंधित समझौता भी शामिल है। यह परियोजना भारत सरकार की अनुदान सहायता के तहत होगी। इन तोपों को आधुनिक बनाने से श्रीलंका की महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की वायु रक्षा क्षमता मजबूत होने की उम्मीद है।

यह सहयोग इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि भारत अब केवल हथियार बेचने वाले देश के रूप में अपनी भूमिका नहीं देख रहा है। भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ रक्षा उपकरणों के रखरखाव, आधुनिकीकरण, प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग को भी बढ़ा रहा है। इससे दोनों देशों की सेनाओं के बीच दीर्घकालिक संस्थागत संबंध बनते हैं। दूसरा समझौता भारत और श्रीलंका के राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालयों के बीच शैक्षणिक सहयोग से जुड़ा है। इसका उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान और अनुभव का आदान-प्रदान बढ़ाना है। रक्षा क्षेत्र में इस तरह का अकादमिक सहयोग अक्सर केवल सैन्य शिक्षा तक सीमित नहीं रहता। इससे दोनों देशों के रणनीतिक विचारों, सुरक्षा दृष्टिकोण और क्षेत्रीय चुनौतियों को समझने की क्षमता भी बढ़ती है। तीसरा समझौता राष्ट्रीय कैडेट कोर से संबंधित है। इसके तहत भारत और श्रीलंका के बीच युवा कैडेट आदान-प्रदान कार्यक्रम को औपचारिक रूप दिया जाएगा। ऐसे कार्यक्रमों का महत्व इसलिए है क्योंकि किसी भी देश की दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी केवल सरकारों और सेनाओं के बीच संबंधों से मजबूत नहीं होती। युवा पीढ़ी के स्तर पर संपर्क भी भविष्य के रिश्तों की नींव तैयार करता है।

बैठक के दौरान भारत और श्रीलंका के नेताओं ने तीन बेली पुलों का भी वर्चुअल उद्घाटन किया, जिन्हें भारतीय सैन्य दल ने श्रीलंका में बनाया है। यह पहल रक्षा सहयोग को मानवीय और आपदा राहत सहयोग से भी जोड़ती है। प्राकृतिक आपदाओं के समय सैन्य संसाधनों का इस्तेमाल केवल सुरक्षा अभियानों में नहीं, बल्कि आम लोगों तक राहत पहुंचाने और बुनियादी ढांचे को बहाल करने में भी किया जाता है। श्रीलंका ने चक्रवात डिटवाह के बाद भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सागर बंधु और पुनर्निर्माण के लिए दी गई व्यापक सहायता के प्रति आभार भी व्यक्त किया। इससे भारत की उस नीति की झलक मिलती है जिसमें पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को केवल सामरिक हितों तक सीमित रखने के बजाय मानवीय सहायता और विकास के साथ जोड़ा जा रहा है।

भारत और श्रीलंका के बीच रक्षा संबंधों का एक और महत्वपूर्ण पहलू समुद्री सुरक्षा है। दोनों देश हिंद महासागर के महत्वपूर्ण हिस्से में स्थित हैं और समुद्री सुरक्षा उनके साझा हितों का विषय है। समुद्री डकैती, अवैध मछली पकड़ना, तस्करी, मानव तस्करी और समुद्री आपदाओं जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए दोनों देशों के बीच सहयोग आवश्यक है। इसके अलावा हिंद महासागर में किसी बाहरी शक्ति की बढ़ती सैन्य या रणनीतिक मौजूदगी पर भी दोनों देशों की नजर रहती है। राजनाथ सिंह की श्रीलंका यात्रा इसी व्यापक संदर्भ में देखी जानी चाहिए। यह यात्रा केवल रक्षा उपकरणों के समझौते तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत और श्रीलंका के बीच रणनीतिक विश्वास को मजबूत करने का प्रयास भी है। राजनाथ सिंह ने दोनों देशों को करीबी पड़ोसी और समुद्री साझेदार बताते हुए सुरक्षा, शांति, विकास और समृद्धि के लिए साथ काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

श्रीलंका के लिए भी भारत के साथ मजबूत संबंधों का अपना महत्व है। आर्थिक संकट के बाद श्रीलंका ने यह अनुभव किया है कि क्षेत्रीय साझेदारों का सहयोग उसके लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। भारत ने संकट के दौर में श्रीलंका को आर्थिक और मानवीय सहायता उपलब्ध कराई थी। ऐसे में दोनों देशों के संबंध अब केवल ऐतिहासिक और सांस्कृतिक निकटता पर आधारित नहीं हैं, बल्कि व्यावहारिक रणनीतिक जरूरतों से भी संचालित हो रहे हैं। हालांकि, भारत के सामने चुनौती यह भी है कि वह श्रीलंका के साथ संबंधों को इस तरह मजबूत करे कि कोलंबो को किसी एक शक्ति के खेमे में जाने की आवश्यकता महसूस न हो। श्रीलंका अपने आर्थिक विकास के लिए चीन, भारत, जापान और अन्य देशों से सहयोग लेता रहेगा। भारत की रणनीति इसलिए प्रतिस्पर्धा के बजाय विश्वसनीय और दीर्घकालिक साझेदारी पर आधारित होना अधिक उपयोगी होगा।

अनुरा कुमारा दिसानायके का भारत को दिया गया सुरक्षा आश्वासन इसी विश्वास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन किसी भी रणनीतिक आश्वासन की वास्तविक परीक्षा उसके क्रियान्वयन में होती है। आने वाले वर्षों में श्रीलंका किस तरह विदेशी निवेश, बंदरगाह परियोजनाओं और सुरक्षा सहयोग के बीच संतुलन बनाता है, यह भारत के लिए महत्वपूर्ण रहेगा।

जर्मनी में नो नाजी के नारे लगा रहे लोग

अचानक क्या हुआ कि जर्मनी के लोगों को एक बार फिर सपनों में हिटलर दिखाई देने लगा है। ऐसा क्या बदल गया कि लोगों को लगने लगा है कि फिर से हिटलर आएगा। क्यों लोग नारे लगा रहे कि नो नाजी क्यों लोग तख्तियां में नो एएफडी लिख कर प्रदर्शन कर रहे हैं। क्या सिर्फ एक चुनाव के नतीजे ने पूरे यूरोप को फिर से चिंता में डाल दिया। विश्व भर में चर्चा के केंद्र में पूर्वी जर्मनी की ताकतवर पार्टी एएफडी यानी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी है।

इस पार्टी ने जर्मनी के राज्य सेक्सनी-अनहाल्ट में चुनाव लड़ा और दशकों से सत्तारूढ़ पार्टियों की जमीन को छीन लिया लेकिन एएफडी के चुनाव जीतते ही जर्मनी में इसके खिलाफ प्रदर्शन शुरू हो गए। क्या एएफडी में चुनावी जीत जर्मनी को नई क्रांति को लेकर जा रहे हैं। ऐसा क्यों है इसको विस्तार से समझिए।

6 सितंबर 2026 को दूसरे विश्व युद्ध के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि जब जर्मनी के सेक्सनी-अनहाल्ट राज्य के चुनावी नतीजों ने देश की राजनीति को हिला कर रख दिया। जर्मनी की मुख्यधारा के राजनीतिक दलों के लिए नतीजे सबसे ज्यादा खराब साबित हुए। 2013 में बनी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी एएफडी ने चुनाव में 43.8 फीसदी वोटों के साथ बहुमत काफी करीब तक पहुँच गई। यह परिणाम ।वि की सोच से भी कहीं ज्यादा था। वहीं सेंटर राइट रहने वाली पार्टी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन ऑफ जर्मनी का जनाधार समाप्त होता दिखाई दिया। सीडीयू को महज 17.2 फीसद वोट मिले जो 2021 की तुलना में 37.1 फीसद कम थे। इस मतदान से पता चला कि एएफडी का समर्थन सबसे ज्यादा उन्होंने किया जो पहले कभी मतदान में शामिल नहीं हुए थे। साथ सीडीयू के समर्थक भी बड़ी संख्या में शिफ्ट हो गए। इस चुनाव में एएफडी को 83 में से 39 सीटें मिलीं जो बहुमत से तीन कदम दूर है।

अब बड़ा सवाल है कि क्यों इस नतीजे ने जर्मनी के लोगों को परेशान किया?

गोवा में 2027 के चुनावी समीकरण

एजेंसी

देश में पांच राज्यों के साथ गोवा विधानसभा चुनाव भी 2027 में सम्पन्न होने हैं। गोवा में भाजपा की सरकार है लेकिन इस बार 40 सदस्यीय गोवा विधानसभा में कौन बहुमत जुटा पाएगा, यह अभी नहीं कहा जा सकता।

भाजपा की महाराष्ट्र में सहयोगी पार्टी शिवसेना (शिन्दे गुट) ने 30 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। उधर, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस में आंतरिक कलह साफ-साफ देखी जा सकती है। गोवा कांग्रेस के 100 बूथ लेवल एजेंटो ने एक साथ अपने पद छोड़ दिये हैं। बताया जा रहा है कि मल्लिकार्जुन खरगे की बैठक की जानकारी न मिलने और अनदेखी किये जाने से कार्यकर्ता नाराज हैं। इसका फायदा मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत कितना उठा पाते हैं, यह चुनाव के नतीजे ही बताएंगे।

गोवा विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे का बड़ा बयान सामने आया है। एकनाथ शिंदे ने स्पष्ट किया है कि गोवा चुनावों के लिए बीजेपी और शिवसेना की रणनीति अभी तय नहीं हुई है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों दल एक ही विचारधारा वाले साथी हैं। गोवा चुनाव के लिए रणनीति क्या होगी, इसका फैसला चुनाव की घोषणा होने के बाद ही लिया जाएगा। बता दें कि 40 सदस्यों वाली गोवा विधानसभा में वर्तमान में बीजेपी की सरकार है।

शिवसेना लंबे समय से गोवा में अपने संगठन को मजबूत करने में जुटी है। मई 2026 में पार्टी नेता और मंत्री उदय सामंत ने पणजी में एलान किया था कि शिवसेना गोवा की 40 में से लगभग 30 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। बीजेपी के साथ चुनाव लड़ने को लेकर शिवसेना ने पहले भी संकेत दिया था कि महाराष्ट्र में एनडीए के साथ उसका गठबंधन गोवा में उसकी रणनीति को अपने आप तय नहीं करता है।

उधर, गोवा में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन

खरगे की बैठक से पहले कांग्रेस के 108 बीएलए ने इस्तीफा दे दिया। खरगे को उस दिन गोवा में बीएलए की बैठक को संबोधित करना था। मल्लिकार्जुन खरगे के गोवा दौरे के दौरान पार्टी के जमीनी संगठन से जुड़े 108 बीएलए के इस्तीफे से कांग्रेस के भीतर हलचल बढ़ गई है। बीएलए चुनाव के दौरान बूथ स्तर पर पार्टी के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में कुछ और लोग भी इस्तीफा दे सकते हैं।

भ्रामक दावों वाले खाद्य तेल का मामला, अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह को नोटिस

देहरादून, एजेंसी। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से भ्रामक विज्ञापनों एवं खाद्य उत्पादों पर किए जा रहे गलत दावों पर दो कंपनियों और फिल्म अभिनेत्री अर्चना पूरण सिंह को नोटिस जारी किया है। चेतावनी दी है कि यदि संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो कार्रवाई की जाएगी।

जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी महिमानंद जोशी ने बताया कि वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप जैन ने फ्रीट लाइट गोल्ड मल्टी सोर्स एडिबल ऑयल के लेबल पर ग्राहकों के लिए प्रदर्शित की गई लेबल सूचनाओं में अनियमितताएं, खाद्य उत्पाद इंडोर्समेंट और ई–कॉमर्स प्लेटफार्म अमेजन पर गलत जानकारियां देने पर निर्माता कंपनी, ई–कॉमर्स अमेजन और एक्ट्रेस अर्चना पूरन सिंह को नोटिस भेजा है। लेबल पर एक्ट्रेस अर्चना पूरन सिंह की ओर से अपने फोटो के साथ टैगलाइन खाना बनाओ, स्वाद पाओ के साथ तेल का प्रचार–प्रसार किया गया है। जांच में पाया गया कि निर्माता कंपनी नई दिल्ली से फूड फोर्टिफाइड लोगो का सर्टिफिकेशन कराए बिना ही लोगों को भ्रमित कर रही थी।

अर्चना पूरन सिंह से नोटिस के माध्यम से खाद्य उत्पाद के विज्ञापन एवं इंडोर्समेंट करने के लिए किए गए एग्रीमेंट की कॉपी, सहमति पत्र की कॉपी प्रस्तुत करने और खाद्य उत्पाद के विज्ञापन एवं इंडोर्समेंट से सम्बन्धित जानकारियां, किए गये क्लेम का स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया गया है।

राजद उम्मीदवारों की घोषणा पर भड़कीं रोहिणी

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य की अपने भाई तेजस्वी यादव से नाराजगी दूर नहीं हुई है।

वह एक फिर से अपने भाई तेजस्वी यादव पर भड़क गईं हैं। शिक्षक–स्नातक विधान परिषद् चुनाव में राजद की ओर से उम्मीदवारों की घोषणा के बाद रोहिणी का गुस्सा सामने आया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर बता दिया कि उम्मीदवारों के चयन से वह खुश नहीं हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रत्नाकर महाजन का निधन

पुणे, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रत्नाकर महाजन का सुबह पुणे स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। श्री महाजन पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थे।

उनका अंतिम संस्कार नवी पेठ स्थित वैकुंठ श्मशान घाट में किया गया। श्री महाजन एक विद्वान, शांत स्वभाव और समर्पित नेता थे और उनके निधन से पार्टी को भारी क्षति हुई है।

गिरिडीह जिले में 30 हाथियों का आतंक

रांची, एजेंसी। झारखंड के गिरीडीह के पीरटांड़ प्रखंड की कुम्हरलालो और पालगंज पंचायत के विभिन्न गांवों में करीब 30 हाथियों का झुंड लगातार भारी उत्पात मचा रहा है। हाथियों के इस दल ने खेतों में लगी धान की फसल को रौंदकर किसानों को बड़ा आर्थिक नुकसान पहुंचाया है। दिन के समय हाथियों का दल जंगल की ओर चला जाता है, लेकिन शाम होते ही बस्तियों में पहुंचकर तबाही मचाता है। इसके चलते क्षेत्र के ग्रामीण भय और दहशत के माहौल में रात बिताने को विवश हैं।

ग्रामीणों के अनुसार हाथियों का यह झुंड तीन से चार समूहों में विभाजित हो जाता है। अलग–अलग दिशाओं में हाथियों के निकल जाने से वन विभाग की टीम को उन्हें खदेड़ने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वनकर्मी जब एक स्थान से हाथियों को जंगल की तरफ भगाते हैं, तभी दूसरे मोहल्ले या टोले में उनके पहुंचने की खबर मिल जाती है। इसके बाद वन विभाग को तुरंत उस नए इलाके में पहुंचना पड़ता है।

मध्यावधि चुनाव के बाद जल्द खत्म हो सकता है ईरान युद्ध: ट्रम्प

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ युद्ध नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनाव के बाद जल्द खत्म हो सकता है और संघर्ष समाप्त होने के बाद तेल की कीमतों में भारी गिरावट आएगी। श्री ट्रंप ने आयरलैंड की यात्रा के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि बहुत जल्द, वास्तव में मध्यावधि चुनाव के ठीक बाद। उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि जल्द ही और ऐसा होने पर तेल की कीमतें तेजी से नीचे आ जाएंगी।

हूती विद्रोहियों ने मयून आईलैण्ड पर किया कब्जा

सऊदी अरब से जारी संघर्ष के बीच हूती विद्रोहियों को बड़ी कामयाबी मिली है। हूती विद्रोहियों ने होर्मुज स्ट्रेट का अच्छा विकल्प समझी जाने वाली बाब अल मन्देब स्ट्रेट के अहम द्वीप मयून आईलैंड पर कब्जा जमा लिया है। दिलचस्प है कि इसका दावा सिर्फ हूती विद्रोहियों ने नहीं किया, बल्कि यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार ने भी इसकी पुष्टि कर दी है।

यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के एक सीनियर मिलिट्री अफसर ने बताया कि ईरान के समर्थन वाले हूती विद्रोहियों ने मयून द्वीप पर कब्जा जमा लिया है। जान लें कि यमन की सरकारी सेनाएं बीते 10 सितम्बर को मयून द्वीप से हट गई थीं। उध र, एक हूती अफसर ने भी पुष्टि करते हुए कहा कि विद्रोही उस द्वीप पर मौजूद हैं, जिसे पेरिम के नाम से भी जाना जाता है और जो यमन के वेस्टर्न कोस्ट से करीब 3. 5 किलोमीटर दूर है। दोनों अफसरों ने नाम न बताने की शर्त पर बात की, क्योंकि उन्हें पत्रकारों से बात करने की इजाजत नहीं थी।गौरतलब है कि यह बाब अल मन्देब स्ट्रेट, होर्मुज स्ट्रेट का एक महत्वपूर्ण विकल्प है क्योंकि अमेरिका और ईरान के संघर्ष की वजह से होर्मुज स्ट्रेट से व्यापार नहीं हो पा रहा है। यहां से दुनिया का करीब 20 फीसदी ईंधन सप्लाई होता था लेकिन अब हूती विद्रोहियों का इस स्ट्रेट में स्ट्रैटेजिक पॉइंट पर कब्जा सभी व्यापारिक जहाजों के लिए खतरा बन गया है। हालांकि, हूती विद्रोहियों का कहना है कि उनका आगे बढ़ना सऊदी अरब के जहाजों को निशाना बनाने के प्रयास का हिस्सा है।अगर आप नक्शे पर देखेंगे तो आपको मयून द्वीप के समंदर में यमन के पश्चिमी तट से करीब साढ़े तीन किलोमीटर पश्चिम में दिखाई देगा। खतरे की बात ये है कि अब जो भी जहाज बाब मन्देब स्ट्रेट से निकलेंगे, उन्हें हूती विद्रोही पहले के मुकाबले आसानी से निशाना बना सकते हैं।

बता दें कि अरब प्रायद्वीप के दक्षिणी सिरे पर मौजूद बाब अल मन्देब, अरब की खाड़ी से लाल सागर को जोड़ने वाला चोकपॉइंट है। दुनिया का लगभग 12 फीसदी व्यापार इसी के जरिए होता है। इसमें ग्लोबल कंटेनर ट्रैफिक का 25 प्रतिशत हिस्सा शामिल है जो बाब अल मन्देब के संकरे समुद्री मार्ग से गुजरता है।

विष्णु देव ने रचा इतिहास

अशोक त्रिपाठी

सामान्य रूप से पिछड़ा माने जाने वाला राज्य छत्तीसगढ़ विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आज गिनीजबुक में दर्ज हो चुका है। आमतौर पर कचरा प्रदूषण का कारण बनता है लेकिन छत्तीसगढ़ में स्टील प्लांट के कचरे ने यातायात की सुविधा ही नहीं दी बल्कि राज्य का नाम दुनिया भर में रोशन कर दिया है। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में स्टील के कचरे से दुनिया की सबसे लम्बी सड़क बनायी गयी है।छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में जिंदल स्टील ने देश के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी ने फैक्ट्रियों से निकलने वाले स्टील कचरे (स्टील स्लैग) का 100 फीसद इस्तेमाल करके 1.85 किलोमीटर लंबी 4—लेन सड़क बनाई है। पूरी तरह से प्रोसेस किए गए स्टील स्लैग से बनी यह दुनिया की सबसे लंबी सड़क है। इसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया है। कचरे से कंचन (वेस्ट टू वेल्थ) का सपना साकार करने वाली इस सड़क के निर्माण में लगभग 2 लाख टन प्रोसेस्ड स्टील स्लैग का इस्तेमाल हुआ सभी कड़े पर्यावरणीय परीक्षणों के बाद ही इसे मंजूरी दी गई है। जिंदल स्टील के चेयरमैन नवीन जिंदल ने इस अवसर पर कहा कि भारत की तरक्की ऐसे नए प्रयोगों से होनी चाहिए जो पर्यावरण को बचाते हुए देश को फायदा पहुंचाएं। यह तकनीक दिखाती है कि कैसे उद्योग का कचरा देश निर्माण का जरिया बन सकता है। डॉ. जितेंद्र सिंह (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री) ने कहा कि यह प्रोजेक्ट वेस्ट टू वेल्थ के सपने को साकार करता है। यह साबित करता है कि हमारी स्वदेशी तकनीक से देश की बड़ी समस्याओं का हल निकाला जा सकता है। जिंदल स्टील ने इस प्रोसेस्ड स्लैग का नाम स्टील ग्रिट रखा है। इस तकनीक को देशभर में बाकी सड़कों के निर्माण में इस्तेमाल करने के लिए एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं।

इस प्रकार छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में जिंदल स्टील ने देश के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

ट्रम्प ने कहा चीन और हम दोनों करते आपस में जासूसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को लेकर बड़ा बयान जारी किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि चीन अमेरिका की जासूसी करता है और अमेरिका भी चीन के साथ ऐसा ही करता है। ट्रंप ने कहा है कि वह चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की यात्रा के दौरान उनसे लगभग हर चीज के बारे में चर्चा करेंगे। ट्रंप के इस दावे ने एक बार फिर से चीन की जासूसी को लेकर चर्चा छेड़ दी है। आपको बता दें कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग जल्द ही अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, शी जिनपिंग 23 सितंबर 2026 को अमेरिका पहुंचने वाले हैं। वह 24 सितंबर को व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी बीते जून महीने में चीन की यात्रा पर गए थे। उन्होंने शी जिनपिंग के साथ अपनी मुलाकात को काफी सकारात्मक बताया था।

डोनाल्ड ट्रंप ने साल 2028 में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर भी बात की है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वे 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में वर्तमान उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उम्मीदवारी का समर्थन करेंगे? इस सवाल का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि अभी काफी समय बाकी है। वेंस हमारे पास बहुत सारे अच्छे विकल्प हैं, वे सभी बहुत अच्छे हैं।

मनोकामना प्राप्ति का व्रत

श्रीमती कमलेश कुमारी

हरतालिका तीज की महिमा को अपरंपार माना गया है। हिन्दू धर्म में विशेषकर सुहागिन महिलाओं के लिए इस पर्व का महात्म्य बहुत ज्यादा है। हरतालिका तीज व्रत हिंदू धर्म में मनाये जाने वाला एक प्रमुख व्रत है।

इस वर्ष हरितालिका व्रत की तिथि को लेकर कुछ संशय बना हुआ है। हिंदू व्रत उदय तिथि से निर्धारित होते हैं– वह तिथि जो सूर्योदय के समय मौजूद होती है। तृतीया 13 सितंबर को सुबह 07.08 बजे शुरू होती है, जो उस दिन सूर्योदय के बाद है। इसलिए 13 तारीख योग्य नहीं है। तृतीया फिर रात भर चलती है और 14 तारीख को सुबह 07.06 बजे समाप्त होती है– सूर्योदय के ठीक बाद। इसलिए 14 सितंबर उदय तिथि को वहन करता है, और यही पंचांग और अधिकांश प्रकाशित कैलेंडरों पर छपी तारीख है।

चूंकि तृतीया 14 सितंबर को सूर्योदय के लगभग एक घंटे बाद समाप्त होती है, इसलिए चतुर्थी उस दिन का लगभग पूरा हिस्सा घेर लेती है– और गणेश चतुर्थी माध्यना (दोपहर) चतुर्थी से निध ारित होती है। इस प्रकार दोनों सोमवार, 14 सितंबर 2026 को पड़ते हैं। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया कथा के अनुसार भाद्रपद शुक्लपक्ष के तृतीया तिथि हस्त नक्षत्र से युक्त हो इस दिन व्रत करने से व्रती महिलाएं सौभाग्य प्राप्त के साथ सभी तरह के पापो से मुक्त हो जाती है। इस वर्ष भाद्रपद शुक्लपक्ष चतुर्थी से युक्त तृतीया तिथि है जो वैधव्य दोष नाशक तथा पुत्र तथा पौत्रादि

को बढ़ाने वाला होता है।

हरतालिका तीज की पौराणिक कथा

हरतालिका तीज का व्रत भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को किया जाता है। अखंड सौभाग्य एवं सुखी वैवाहिक जीवन के लिए इस व्रत को निर्जल यानी बिना पानी ग्रहण किये किया जाता है। यह बहुत कठिन व्रत है। इस व्रत के सम्बन्ध में शिव पुराण एवं स्कन्द पुराण में विस्तार से एक कथा वर्णित है। इस पौराणिक कथा के अनुसार पार्वती जी ने शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के लिए कठिन तपस्या की थी। पार्वती जी जब किशोरी ही थीं तभी उनके पिता हिमालय ने उनका विवाह विष्णु जी से करने का मन बना लिया था लेकिन वे शिव जी को ही मन ही मन में अपना पति मान चुकी थीं। उन्हें पाने के लिये पार्वती जी ने भूखे–प्यासे रहकर कठिन तपस्या का संकल्प लिया।

पार्वती जी की सखी को जब यह पता चला कि हिमालय राज अपनी पुत्री पार्वती का विवाह बिना उनकी अनुमति के विष्णु जी से करना चाहते हैं, तो वह किसी को बिना बताये वह पार्वती जी को अपने साथ एक घने वन में ले गई। हरत मतलब हरण और आलिका माने सखी इसी कारण इस व्रत को हरतालिका तीज कहा जाता है। यह संस्कृत के दो शब्दों हरत और आलिका से मिलकर बना है। पार्वती जी ने वन में जाकर कई दिनों तक बिना अन्न और जल के केवल ध यान और जप में रहकर घोर तपस्या की। उनकी इस कठोर तपस्या से ही प्रसन्न होकर भगवान शिव स्वयं प्रकट हुये और उन्होंने पार्वती जी को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया। पार्वती जी का दृढ़ संकल्प और उनकी अनन्य भक्ति से उन्हें शंकर भगवान को प्राप्त करने में सफलता मिली थी। शिव जी ने पार्वती जी से कहा, 'हे देवी! तुमने इस कठिन तपस्या और अपने समर्पित भाव से मुझे प्राप्त किया है, अतः आज की यह तिथि सदा के लिये पावन हो गई है। इस दिन जो भी स्त्री श्रृद्धा और निष्ठा से व्रत रखेगी, उसे तुम्हारे समान अखंड सौभाग्य प्राप्त होगा। तभी से इस दिन को हरतालिका तीज के रूप में मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं और रात भर जागरण करने के बाद सुबह भगवान शिव और पार्वती की पूजा करके व्रत खोलती हैं। हरतालिका मात्र एक व्रत ही नहीं है बल्कि एक आध्यात्मिक साधना है जिसमें स्त्री अपनी इच्छा, प्रेम और संकल्प से ईश्वर को पति रूप में प्राप्त करती है। यह व्रत भारतीय नारी के आत्मबल, भक्ति और प्रेम का अद्वितीय उदाहरण है।

हरतालिका व्रत का विधि–विधान– हरतालिका तीज की पूजा सुबह स्नान करने और अच्छे कपड़े पहनने के बाद की जाती है। सुबह का समय पूजा के लिए सबसे अच्छा माना जाता है, लेकिन अगर किसी कारणवश सुबह पूजा न हो पाए, तो प्रदोष काल में भी पूजा की जा सकती है। हरतालिका तीज के दिन सुहागिन महिलाएं सुबह स्नान के बाद नए वस्त्र पहनकर इस व्रत का संकल्प लेकर दिन की शुरुआत कर सकती हैं। इसके बाद महिलाएं अपने हाथों में मेंहदी लगाकर, संपूर्ण सोलह शृंगार करें। हरतालिका तीज में श्री गणेश, भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। इसलिए मिट्टी से तीनों की प्रतिमा बनाएं। उसके बाद भगवान गणेश को तिलक करके दूर्वा अर्पित करें।

इसके बाद भगवान शिव को फूल, बेलपत्र और शमी पत्र अर्पित करें और माता पार्वती को शृंगार का सामान अर्पित करें। इसके अलावा तीनों देवी–देवताओं को वस्त्र अर्पित करने चाहिए। इसके बाद हरितालिका तीज व्रत की कथा सुने या पढ़ें। भगवान गणेश की आरती करें। अंत में भगवान शिव और माता पार्वती की आरती उतारने के बाद भोग लगाएं। व्रत करने वाली महिलाएं पूजा करने के बाद भोग लगाकर सब में बांटती हैं। रात को चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत पूरा किया जाता है।

पूरे साल में तीन तीज मनाया जाता है। हरियाली तीज कजरी तीज और हरतालिका तीज। इन तीनों तीज में सबसे ज्यादा महत्व हरतालिका तीज व्रत का है। यह त्यौहार भाद्रपद मास के शुक्लपक्ष के तृतीया तिथि को मनाया जाता है। सुहागिन महिलाएं अपने सौभाग्य को खुशहाल बनाने के लिए पूरे दिन निर्जला उपवास रखकर संध्या में भगवन शिव तथा पार्वती का विशेष पूजन करती हैं।धार्मिक मान्यता यह है कि इस व्रत को करने से सौभाग्य, पारिवारिक सुख, संतान का सुख,चन्द्र दोष अगर बना हुआ है वह भी समाप्त होता है।

औषधीय गुणों से भरपूर है बेल का पेड़

भारत में पेड़–पौधों का महत्व सिर्फ पर्यावरण तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि प्राचीन समय से ही कई पौधों का इस्तेमाल औषध ीय जरूरतों के लिए भी किया जाता रहा है। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पौधा है बेल, जिसे संस्कृत में बिल्व और अंग्रेजी में वुड एप्पल कहा जाता है। नेशनल मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड, आयुष मंत्राल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बेल के औषधीय महत्व से जुड़ी जानकारी साझा की है।

वनस्पति विज्ञान में बेल का नाम एगल मार्मेलोस है और यह रैसेसी परिवार से संबंधित है। यह पेड़ मुख्य रूप से भारत और दक्षिण–पूर्व एशिया का मूल निवासी माना जाता है। भारत में यह सूखे जंगलों और मैदानी क्षेत्रों में आमतौर पर देखने को मिलता है। खास बात यह है कि बेल अलग–अलग तरह की जलवायु में भी आसानी से पनप सकता है और कम उपजाऊ मिट्टी में भी अच्छी तरह बढ़ने की क्षमता रखता है।

बेल का पेड़ मध्यम आकार का पर्णपाती वृक्ष होता है, जिसकी ऊंचाई करीब 15 मीटर तक पहुंच सकती है। इसकी पत्तियां तीन पत्तियों वाले समूह यानी त्रिपर्णी होती हैं और इनमें हल्की सुगंध होती है। बेल के फूल हरे–सफेद रंग के और सुगंधित होते हैं। इसका फल कच्चा और सूखने के बाद भी कई पारंपरिक उपयोगों में काम आता है।आयुर्वेद में बेल को लंबे समय से महत्वपूर्ण औषधीय पौधे के रूप में देखा जाता है। इसके फल, पत्तियां और जड़ विभिन्न पारंपरिक औषधीय उपयोगों में इस्तेमाल किए जाते हैं। विशेष रूप से बेल के फल को पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याओं में उपयोगी माना जाता है। राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के अनुसार इसमें एंटी–डायरियल, एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे औषधीय गुण बताए गए हैं। इसके अलावा इसमें एंटीबायोटिक और ब्रोंकोडायलेटर गतिविधियों का भी जिक्र किया गया है।

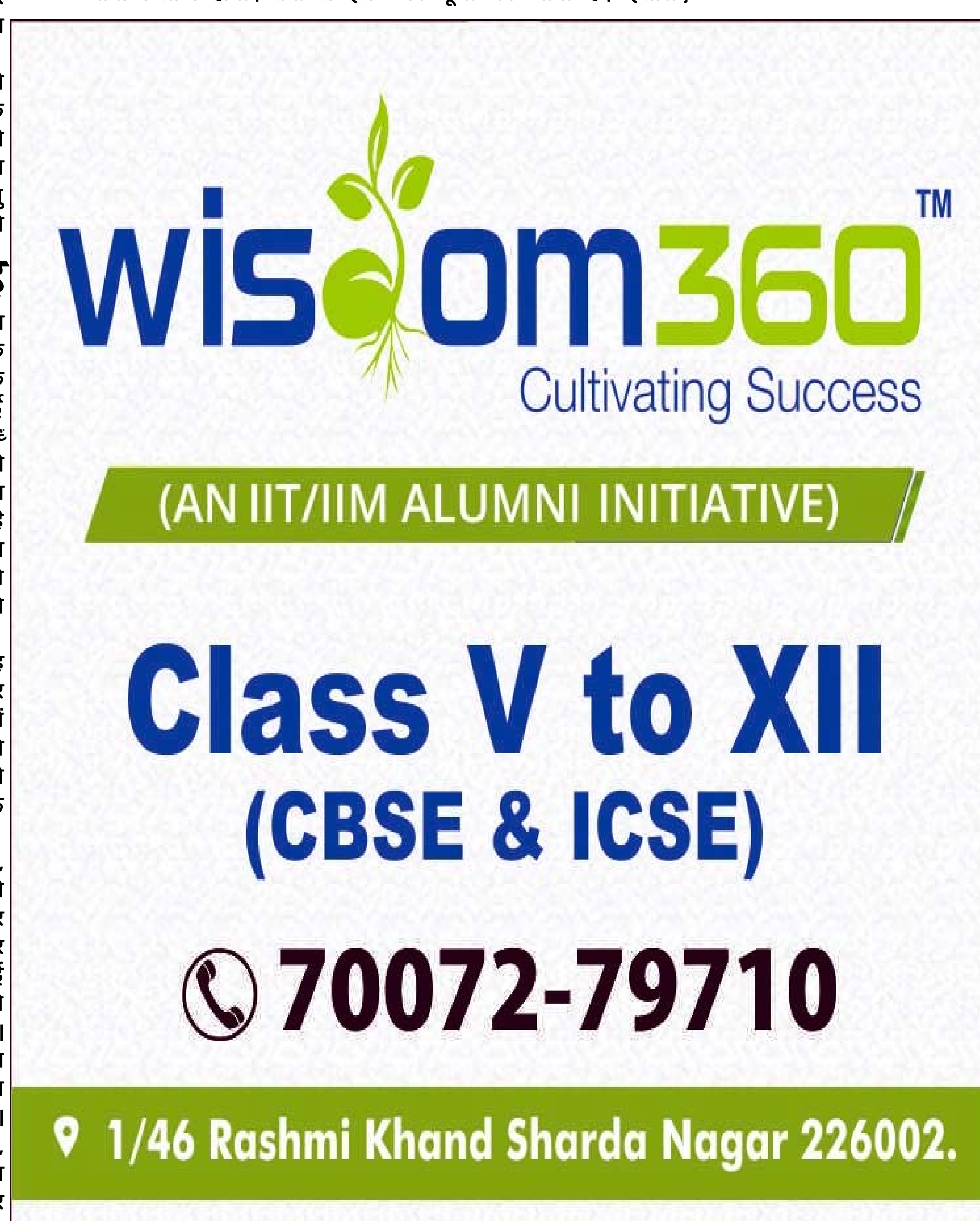

भारत का वस्तु निर्यात चालू वित्त वर्ष के पहले पांच माह में 15 प्रतिशत से अधिक बढ़ा : पीयूष गोयल

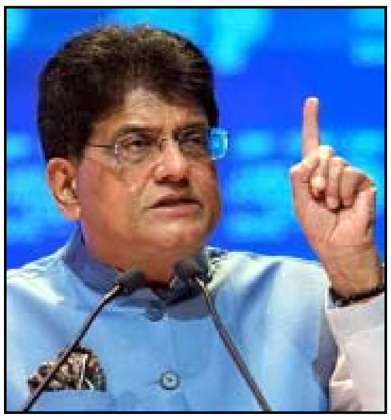

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष 2026–27 के पहले पांच माह (अप्रैल–अगस्त) के दौरान भारत के वस्तु निर्यात में करीब 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होने का अनुमान है। यहां आयोजित ब्रिक्स महिला कारोबार गठबंधन (डब्ल्यूबीए) महिला नेतृत्व विकास शिखर सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि भारत और ब्रिक्स देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को बढ़ाने की काफी गुंजाइश है।

गोयल ने कहा, श्श्आज दुनिया जिन चुनौतियों से गुजर रही है उससे हम अच्छी तरह से परिचित हैं। हम यह भी जानते हैं कि घरेलू व्यापार में कुछ नरमी आई है। इसके बावजूद मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों यानी अप्रैल से अगस्त के दौरान भारत के वस्तु निर्यात में 15 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

वाणिज्य मंत्रालय 15 सितंबर को अगस्त महीने के निर्यात और आयात के आंकड़े आधिकारिक रूप से जारी करेगा। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल–जुलाई के दौरान भारत का निर्यात 17.04 प्रतिशत बढ़कर 173.78 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 19.27 प्रतिशत बढ़कर 292.38 अरब डॉलर रहा।

भारत में सुनहरे अवसर देख रहीं कोका-कोला

वैश्विक उपभोक्ता सामान बनाने वाली दिग्गज कंपनियों के लिए भारत प्रमुख दीर्घकालिक बाजार के रूप में उभर रहा है। घरेलू बाजार के काफी लचीला होने के कारण कंपनियों को यहां बेहतर संभावनाएं दिख रही हैं। बार्कलेज ग्लोबल कंज्यूमर स्टेपल्स कॉन्फ्रेंस 2026 में कोका–कोला, मोंडलीज, यूनिलीवर और रेकिट बेंकिजर जैसी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि भारत उपभोक्ता सामान निर्माताओं के लिए बड़े उभरते बाजारों में से एक है।

कोका–कोला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेनरिक ब्राउन ने कहा कि भारत निश्चित रूप से पेय पदार्थ निर्माता कंपनी के लिए दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। ब्राउन ने कहा, 'भारत में शीर्ष 10 ब्रांड में से 7 ब्रांड हमारे हैं। इनमें 4 वैश्विक और 3 स्थानीय ब्रांड हैं। बहुत पहले अधिग्रहित किए गए ये ब्रांड आज भी बहुत प्रासंगिक बने हुए हैं।

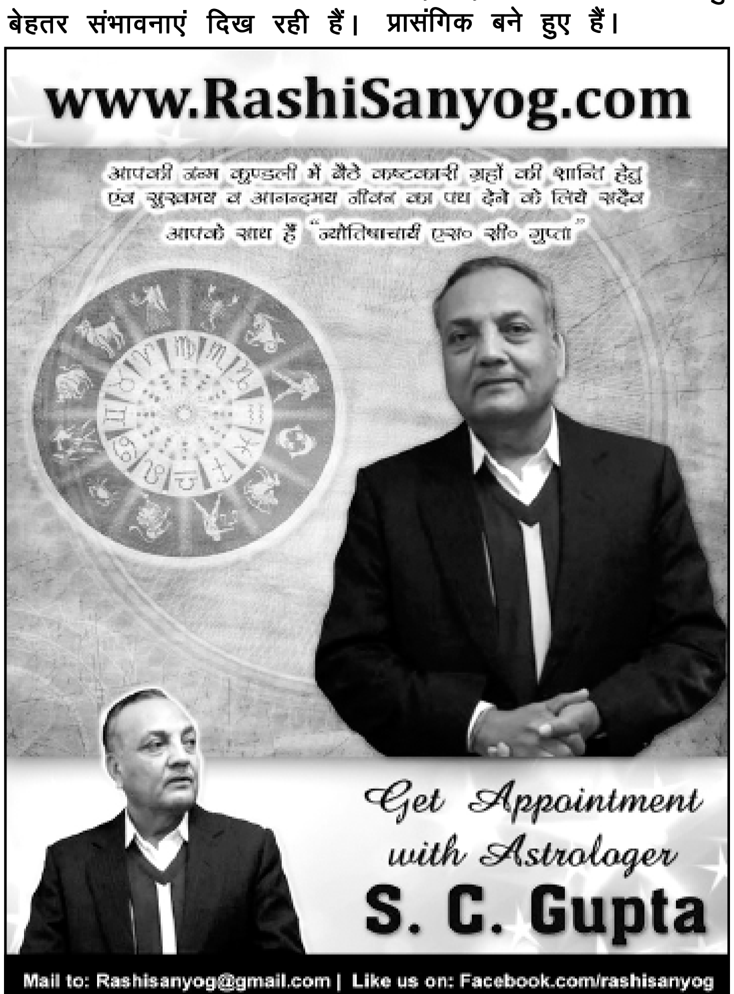

अफ्रीका में चीन से इलेक्ट्रिक बाइक का आयात बढ़ा, ईवी निवेश में विविधता

अफ्रीका में चीन से इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल और तिपहिया वाहनों का आयात 2026 की पहली छमाही में तेजी से बढ़ा है। यह वृद्धि महाद्वीप में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की ओर बढ़ने की प्रक्रिया में मौजूद अंतर को रेखांकित करती है। अफ्रीकी सड़कों पर दोपहिया और तिपहिया वाहन बड़ी संख्या में हैं और इनका बड़े पैमाने पर व्यावसायिक इस्तेमाल होता है। ऐसे में पेट्रोल और डीजल इंजन से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बदलाव से ईंधन की खपत एवं शहरों में वायु प्रदूषण कम हो सकता है।

मोरक्को, मिस्र और अल्जीरिया जैसे उत्तर अफ्रीकी देशों की अगुवाई में महाद्वीप में चीन से दोपहिया और तिपहिया वाहनों का आयात 60 प्रतिशत बढ़कर 11.46 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया। यह क्षेत्र पूरी तरह तैयार चीन निर्मित इलेक्ट्रिक स्कूटरों के लिए एक प्रमुख बाजार बन गया है। वहीं, ईवी स्टार्टअप कंपनियों में निवेश पूर्वी एवं मध्य अफ्रीका में केंद्रित है, जहां कंपनियां स्थानीय श्असेंबलीश संयंत्र, बैटरी बदलने के नेटवर्क और वाणिज्यिक मोटरसाइकिल से जुड़े परिवेश तैयार कर रही हैं। वर्ष 2026 की पहली छमाही में मोरक्को आयात के मामले में सबसे आगे रहा। उसने 2.17 करोड़ अमेरिकी डॉलर की 80,188 इकाइयों का आयात किया। इसके बाद मिस्र और अल्जीरिया का स्थान रहा। उप–सहारा अफ्रीका में दक्षिण अफ्रीका सबसे अधिक आयात करने वाला देश रहा, जहां 69 लाख अमेरिकी डॉलर की 19,635 इलेक्ट्रिक बाइक का आयात हुआ।

अफ्रीका में काम कर चुके स्वतंत्र इलेक्ट्रिक दोपहिया एवं तिपहिया वाहन विशेषज्ञ पीटर कोसाकोव्स्की ने कहा कि यह अंतर दो अलग–अलग बाजारों को दर्शाता है। उन्होंने कहा, श्उत्तर अफ्रीका में चीन से आयात होने वाले वाहन मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक स्कूटर और मोपेड हैं, जिन्हें उपभोक्ता आवागमन और छोटी दूरी की यात्राओं के लिए खरीदते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वी और पश्चिमी अफ्रीका में मोटरसाइकिलों का इस्तेमाल अधिकतर व्यावसायिक वाहनों के रूप में होता है और चालक यात्रियों तथा सामान को ढोने के लिए एक दिन में 150 किलोमीटर (करीब 100 मील) तक इनका इस्तेमाल करते हैं।

अफ्रीका की सबसे बड़ी ईवी बाइक कंपनी स्पाइरो ने पिछले एक साल में 34.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश जुटाया है। वहीं, अन्य कंपनियां वाणिज्यिक मोटरसाइकिल टैक्सी एवं आपूर्ति बाजारों के लिए स्थानीय असेंबली, बैटरी बदलने और चार्जिंग नेटवर्क में निवेश कर रही हैं। पूर्वी और पश्चिमी अफ्रीका में उद्योग का बड़ा हिस्सा अब भी मोटरसाइकिलों का पूरी तरह विनिर्माण करने के बजाय आयातित कलपुर्जों की श्असेंबलीश पर आधारित है। मोटर, नियंत्रक और बैटरी सेल का ज्यादातर हिस्सा अब भी आयात किया जाता है।

चीनी रिफाइनरियों की घरेलू बाजार में 2.5 लाख टन सफेद चीनी बेचने की योजना

त्योहारी मौसम से पहले आपूर्ति बढ़ाकर चीनी की कीमतों पर अंकुश लगाने की कोशिशों के बीच देश की चीनी रिफाइनरियां घरेलू बाजार में करीब 2.5 लाख टन सफेद चीनी बेचने की योजना बना रही हैं। उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। श्री रेणुका शुगर्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुशील कुमार ने भारतीय चीनी एवं जैव–ऊर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) के एक कार्यक्रम से इतर कहा, हमने घरेलू बाजार में करीब 2.5 लाख टन एएलएस चीनी बेचने की पेशकश की है। भारत में श्री रेणुका शुगर्स समेत दो ऐसी चीनी रिफाइनरियां हैं, जो अग्रिम लाइसेंस योजना (एएलएस) के तहत कच्ची चीनी का आयात कर उसे रिफाइन कर निर्यात करती हैं। सरकार ने पिछले महीने इन रिफाइनरियों को एएलएस के तहत रिफाइन की गई चीनी को घरेलू बाजार में बेचने का आदेश दिया था। इसका उद्देश्य त्योहारी मौसम से पहले घरेलू बाजार में चीनी की आपूर्ति बढ़ाना है। कुमार ने कहा कि सरकार के इन कदमों के बाद घरेलू चीनी कीमतों में गिरावट आई है।

चीनी की मिल स्तर पर कीमत फिलहाल करीब 43–44 रुपए प्रति किलोग्राम है, जो आयातित चीनी की करीब 50 रुपए प्रति किलोग्राम की अनुमानित लागत से कम है। कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने 10 लाख टन चीनी के शुल्क–मुक्त आयात की अनुमति देने के साथ थोक उपभोक्ताओं और डीलरों के लिए चीनी के भंडार की सीमा भी कड़ी की है। सरकार ने इससे पहले चीनी के निर्यात पर भी रोक लगाई थी। सरकार ने मिलों पर कीमतें बढ़ाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि देश में पर्याप्त चीनी भंडार है। हालांकि, उसने विपणन सत्र 2025–26 में चीनी उत्पादन का अनुमान घटाकर 306 लाख टन कर दिया है, जो पहले 343 लाख टन था। देश में चीनी की सालाना घरेलू मांग करीब 280–285 लाख टन रहने का अनुमान है।

भारत–रूस व्यापार को 60 से 100 अरब डॉलर तक ले जाने की तैयारी

भारत–रूस व्यापार संवाद 2026 में गोयल ने कहा, 'दोनों देशों के बीच गैर–ऊर्जा व्यापार जितना होना चाहिए, उससे कहीं कम है यही 60 अरब डॉलर से 100 अरब डॉलर तक का वह अंतराल है जिसे हम भरने के लिए कह रहे हैं।' गोयल ने कहा, 'फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग सामान, रसायन, कपड़ा, समुद्री उत्पादों जैसे विविध भारतीय निर्यात के जरिये इस व्यापार में पुनर्संतुलित बनाना हमारे लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत जरूरी है।'

पाकिस्तान को हराकर श्रीलंका फाइनल में, भारत से होगी खिताबी टक्कर

हर्षिता समरविक्रमा (36) और कविशा दिलहारी (33) की उपयोगी पारियों से श्रीलंका ने पाकिस्तान को रोमांचक सेमीफाइनल में चार विकेट से हराकर महिला एशिया कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहाँ उसकी टक्कर भारत से होगी। पाकिस्तान ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 130 रन बनाये जबकि श्रीलंका ने 18.4 ओवर में छह विकेट पर 134 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना के चेहरे पर इस हार से निराशा साफ दिख रही है, जबकि नीलाक्षिका सिल्वा खुशी से अपनी साथी खिलाड़ी की ओर दौड़ती हैं। श्रीलंका का डगआउट जश्न में डूब गया है। एक शानदार चेज (लक्ष्य का पीछा) पूरा करने के बाद सभी बेहद खुश हैं। एक समय वे मुश्किल स्थिति में थे, लेकिन अहम मौकों पर उन्होंने हिम्मत बनाए रखी और शानदार जीत हासिल कर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

इस टूर्नामेंट में श्रीलंका का लोअर–मिडल ऑर्डर जबरदस्त रहा है और एक बार फिर उन्होंने कमाल कर दिखाया। मुश्किल पिच पर 130 रन का पीछा करते हुए, फातिमा सना ने दूसरे ओवर में लगातार गेंदों पर चामरी अथापथु और संजना कविंडी को आउट कियाय इसके बाद हसिनी परेरा और इमेशा दुलानी भी जल्दी आउट हो गईं और श्रीलंका का स्कोर 33ध4 हो गया। तभी हर्षिता समरविक्रमा और कविशा दिलहारी ने मिलकर पाँचवें विकेट के लिए 67 रन जोड़े।

समरविक्रमा ने 31 गेंदों पर 36 रन बनाए, जबकि दिलहारी ने 33 गेंदों पर 33 रन बनाए, लेकिन दोनों में से कोई भी मैच खत्म नहीं कर सकाय दोनों ही फातिमा सना का शिकार बनीं, जिन्होंने 4ध38 के आंकड़े के साथ अपना स्पेल पूरा किया। फातिमा ने अपनी आखिरी और पारी के 19वें ओवर में कुल 16 रन दिए। हालांकि फातिमा को 47 रन बनाने और चार विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा ने निराशा जताते हुए कहा, ईस्ट जोन ने 700 रन टांग कर मैच सील कर दिया

चेन्नई में खेले गए दलीप ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले में विशाल लक्ष्य के दबाव में मिली हार पर साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा ने निराशा जताते हुए कहा, ईमानदारी से कहूं तो यह हमारे लिए निराशाजनक है, लेकिन इस मैच से हमने बहुत कुछ सीखा है। उम्मीद है कि हम और मजबूती से वापसी करेंगे। पहले दिन हम बेहतर गेंदबाजी कर सकते थे, लेकिन जब उन्होंने बोर्ड पर 700 रन टांग दिए, तो उन्होंने मैच वहीं सील कर दिया था।

700 रन का पीछा करना आसान नहीं होता, लेकिन उनके बल्लेबाजों को श्रेय जाता है। हमने भी अच्छी गेंदबाजी नहीं की। तिलक ने आगे कहा, 708 रन का पीछा करते हुए हमारी सोच यही थी कि हम अगले तीन दिन तक बल्लेबाजी करते रहे। हमने पूरी कोशिश की, अगर हम तीन दिन खेल जाते तो क्या पता हम भी 700 बना लेते या मैच ड्रॉ हो जाता, लेकिन क्रेडिट ईस्ट जोन को जाता है, उन्होंने हमें आउटप्ले किया।

वर्ल्ड कप को अभी बहुत वक्त, भारतीय पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने खेलने को लेकर दुविधा में डाले दर्शक

भारतीय पूर्व कप्तान रोहित शर्मा 2027 वनडे वर्ल्ड कप में खेलेंगे या नहीं, अभी कंफर्म नहीं हैं। बीसीसीआई ने भी इस बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कहा। दिग्गज बल्लेबाज रोहित फिलहाल 39 साल के हैं। वह टेस्ट और टी–20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं और भारत के लिए सिर्फ वनडे एक्टिव हैं। रोहित से जब अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप में खेलने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने क्लियर जवाब नहीं दिया, बल्कि फैंस को दुविधा में डाल दिया। उन्होंने कहा कि अभी काफी समय है। रोहित ने मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में एक दर्शक द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, अक्तूबर 2027 अभी बहुत दूर है, तब देखेंगे। उनसे यह भी पूछा गया कि क्या भारत के चैंपियन पर फैंस के साथ जश्न मनाने के लिए खुली बस में परेड आयोजित की जाएगी, ठीक उसी तरह जैसे 2024 में निकाली गई। इस पर हिटमैन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अब बस परेड संभव होगी।

कुछ महीने पहले इंग्लैंड सीरीज के दौरान रोहित के इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने की अटकलें थीं, जिसका बीसीसीआई को खंडन करना पड़ा। वह पिछली बार जुलाई 2026 में भारतीय टीम की ओर से मैदान पर उतरे थे। उन्होंने लॉर्ड्स के मैदान पर ऐतिहासिक शतक जमकर आलोचकों को करारा जवाब दिया।

उन्होंने 110 गेंदों में 17 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 138 रन बनाए, जो लॉर्ड्स में किसी भारतीय प्लेयर की पहले वनडे सेंचुरी है।

अमीषा पटेल के घर हुई 5 लाख रुपये की चोरी, मां की शिकायत पर नौकर पकड़ा गया

एक्टर अमीषा पटेल के पारिवारिक घर से लगभग 5 लाख रुपये की कीमत के गहने चोरी होने के आरोप में उनके घर के एक स्टाफ मेंबर को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना कथित तौर पर चर्चगेट स्थित एक्टर के पारिवारिक घर पर हुई, जहाँ उनकी माँ, आशा पटेल ने कीमती सामान— जिसमें हीरे जड़ी सोने की चूड़ी भी शामिल थी —के गायब होने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अमीषा के मैनेजर ने कहा, हाँ, यह सच है। उन्होंने उस स्टाफ मेंबर को पकड़ लिया है, जो अब जेल में है। पुलिस मामले की जाँच कर रही है और संदिग्ध अभी भी हिरासत में है। अमीषा या उनके परिवार के सदस्यों ने अभी तक इस घटना पर कोई बयान जारी नहीं किया है।

इस बीच, अमीषा को आखिरी बार एक्टर सनी देओल की गदर 2 (2023) में देखा गया था। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म कृ जिसमें उत्कर्ष शर्मा, सिमरत कौर और मनीष वाधवा ने भी अहम भूमिकाएँ निभाई थीं बॉक्स—ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की, दुनिया भर में 600 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की और एक्टर को एक हाई—प्रोफाइल कमर्शियल वापसी दिलाई।

फिल्म की शानदार थिएटर सफलता के बाद, पटेल ने स्क्रीन पर अपनी उपस्थिति को लेकर काफी सावधानी बरती है, और गदर 3 का प्रोडक्शन अभी शुरुआती चरण में है। अमीषा ने ऋतिक रोशन के साथ श्कहो ना. .. प्यार हैश (2000) से हिंदी सिनेमा में कदम रखा, जो एक कमर्शियल हिट रही और जिसने इंडस्ट्री में उनकी पहचान बनाई। इसके बाद उन्होंने सनी देओल के साथ पीरियड एक्शन ड्रामा 'गदर' एक प्रेम कथा (2001) में काम किया, जो उस दौर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में से एक बन गई। शुरुआती सफलताओं के बाद, अमीषा के बॉक्स—ऑफिस रिकॉर्ड में भारी गिरावट आई। इसके बाद रिलीज हुई कई फिल्में जिनमें ये जिंदगी का सफर (2001), आप मुझे अच्छे लगने लगे (2002), हमको तुमसे प्यार है (2006) और आप की खातिर (2006) शामिल हैं— कमर्शियल रूप से सफल नहीं हो पाईं, जिससे 2000 के दशक में उनके करियर की रफ्तार धीमी पड़ गई।

सिने काइंड अवॉर्ड्स 2026 में वामिका गब्बी सहित नामी हस्तियां होंगी सम्मानित

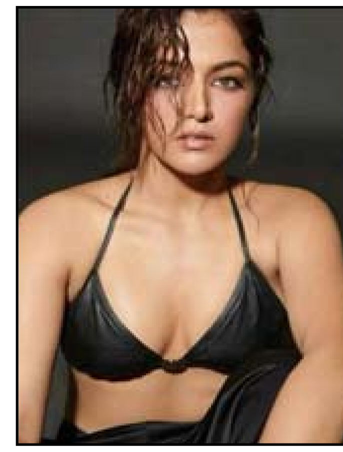

अभिनेत्री वामिका गब्बी, अभिनेता जॉन अब्राहम, रवीना टंडन, अनंत अंबानी, रितेश देशमुख और जेनेलिया देशमुख समेत कई हस्तियों को सिने काइंड अवॉर्ड्स 2026 में सम्मानित किया जाएगा। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआई) और पीपल फॉर एनिमल्स (पीएफए) के सहयोग से आयोजित सिने काइंड अवॉर्ड्स नाइट 2026 में काइंडनेस, सहानुभूति और पशु कल्याण के क्षेत्र में योगदान देने वाली हस्तियों और संगठनों को सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष सम्मानित होने वाले प्रमुख नामों में अनंत अंबानी, जॉन अब्राहम, रवीना टंडन, वामिका गब्बी, कल्याण वर्मा, अमित राय और राजन शाही शामिल हैं। इनके अलावा पशु कल्याण और सामाजिक बदलाव के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रहे संगठनों और व्यक्तियों को भी सम्मान दिया जाएगा।

सिने काइंड पहल का उद्देश्य सिनेमा, संस्कृति और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच करुणा के संबंधा को मजबूत करना है। पीएफए पशु बचाव, पुनर्वास, जागरूकता और पशु कल्याण से जुड़े मुद्दों पर काम करता है।

आयोजकों के अनुसार, सिने काइंड अवॉर्ड्स का उद्देश्य सिनेमा जगत से जुड़े लोगों और सामाजिक बदलाव के लिए काम कर रहे व्यक्तियों को प्रोत्साहित करना है। पहल का मानना है कि सिनेमा मनोरंजन के साथ समाज में सकारात्मक और सार्थक बदलाव लाने का माध्यम भी बन सकता है।

हनुमान अंश से अनुप्रिया का भावनात्मक जुड़ाव

नीम करोली बाबा के जीवन और उनकी आध्यात्मिक विरासत पर आधारित फिल्म हनुमान अंश ने बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने का दावा किया है। फिल्म की सफलता के बीच इसकी 21 वर्षीय प्रोड्यूसर अनुप्रिया नागर भी चर्चा में हैं। खास बात यह है कि अनुप्रिया ने फिल्म की पोस्ट—प्रोडक्शन के दौरान प्रोजेक्ट से जुड़कर अपनी यूके की जमा—पूंजी का बड़ा हिस्सा इसमें लगा दिया था। अनुप्रिया नागर बताती हैं कि फिल्म को तीन महिलाओं ने प्रोड्यूस किया है और वह इन तीनों में सबसे कम उम्र की हैं। जब वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनीं, तब फिल्म की शूटिंग और मुख्य निर्माण का काम पूरा हो चुका था। टीम के सामने पोस्ट—प्रोडक्शन के लिए अतिरिक्त फंड की जरूरत थी। फिल्म की कहानी और इसके आध्यात्मिक विषय से अनुप्रिया इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने अपनी बचत इस प्रोजेक्ट में लगाने का फैसला किया। उनके लिए यह महज एक फिल्म में निवेश करने का फैसला नहीं था। अनुप्रिया ने बताया कि इस कहानी से उनका भावनात्मक जुड़ाव बन गया था। यही वजह रही कि कम उम्र में होने के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत से जुटाई गई रकम फिल्म के पोस्ट—प्रोडक्शन में लगा दी। हालांकि वह यह भी स्पष्ट कर चुकी हैं कि फिल्म का पूरा बजट उन्होंने अकेले नहीं लगाया। उनके मुताबिक, कुल बजट में उनका योगदान करीब एक—तिहाई रहा।

अनुप्रिया नागर का कहना है कि नीम करोली बाबा ने भारत के साथ—साथ विदेशों में भी कई लोगों को प्रभावित किया। उन्होंने खास तौर पर लैरी ब्रिलियंट और स्टीव जॉब्स जैसे नामों का जिक्र किया। उनके मुताबिक बाबा की लोकप्रियता और उनके प्रभाव के बावजूद भारत में बहुत से लोग उनके जीवन और विचारों से परिचित नहीं हैं। यही बात अनुप्रिया को इस कहानी की ओर खींच लाई। वह चाहती हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग नीम करोली बाबा के जीवन के बारे में जानें और उनके आश्रम तक पहुंचें।

'चुंबक' ने मुझे बहनों जैसा रिश्ता दिया : संदीपा धर

अभिनेत्री संदीपा धर ने कहा है कि चुंबक ने उन्हें बेहतरीन सह—कलाकारों के साथ बहनों जैसा रिश्ता भी दिया है, जिसे वह हमेशा संजोकर रखेंगी।

संदीपा ने कहा कि नीना, डेलनाज, मानसी, हेली, अमायरा और वह खुद गर्ल गैंग हैं। व्यस्त शूटिंग के बावजूद सभी एक—दूसरे के लिए समय निकालती हैं और साथ में ब्रंच, डिनर तथा बातचीत के जरिए अपनी दोस्ती को मजबूत बनाए रखती हैं।

माधुली के रहस्य से पर्दा उठाने निकलेंगे पांडव

सोनी सब के धारावाहिक हस्तिनापुर के वीर में अब रहस्य और रोमांच का नया मोड़ आने वाला है। हस्तिनापुर लौटने के बाद पांडवों को दुशाला की संगीत शिक्षिका माधुली (प्राची ठाकुर) के व्यवहार पर संदेह होने लगता है। जरासंध (आभास मेहता) से बढ़ते खतरे को देखते हुए भीष्म पितामह (मनीष वधवा) युवा राजकुमारों को सुरक्षित रखने के लिए हस्तिनापुर वापस लाते हैं। हालांकि, खतरा पहले ही माधुली के रूप में राज्य तक पहुंच चुका है। माधुली दरअसल जरासंध द्वारा भेजी गई विषकन्या है, जो राजा धृतराष्ट्र (संदीप मोहन) के खिलाफ खतरनाक मिशन पर आई है। माधुली की संदिग्ध गतिविधियां पांडवों का शक गहरा देती हैं और वे उसकी असली मंशा का पता लगाने का फैसला करते हैं।

इस दौरान वे महल में छिपे एक खतरनाक रहस्य के करीब पहुंच जाते हैं। आगामी घटनाक्रम पर मनीष वधवा ने कहा कि भीष्म राजकुमारों को हस्तिनापुर वापस लाते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि मगध में जरासंध के खतरे के बीच वे यहां अधिक सुरक्षित रहेंगे।

प्रधान संपादक
रूचिर सिंह सिसौदिया
स्थानीय संपादक
सुधीर निगम

कार्पोरेट कार्यालय—
सेक्टर—सी0—1, सी0—25,
एल0डी0ए0 कालोनी,
कानपुर रोड, लखनऊ
उ0प्र0—226012

टी.आई.एल. एक्सप्रेस
स्वामी एवं प्रकाशक रूचिर सिंह सिसौदिया द्वारा न्यू अनुग्राफिक्स, पार्क रोड लखनऊ से मुद्रित एवं 279 कटरा बांदा से प्रकाशित
फोन नं0—0522—4010844

Mail us- tvindialive.til@gmail.com
Log on- tvindialive.in, tvindialive.com, www.facebook.com/tvindialive/
Https://www.youtube.com@tvindialivedigi